UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-237 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) रविवार 09 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी बीजेपी में बड़ा फेरबदल, 2027 से पहले 13 नेताओं को..

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने संगठन को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पार्टी ने प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों और मोर्चों के लिए नए प्रभारियों के नाम घोषित किए हैं। इन नियुक्तियों में कई वरिष्ठ नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने संगठन से जुड़े नेताओं को अलग-अलग क्षेत्रों और मोर्चों की जिम्मेदारी सौंपी है। माना जा रहा है कि इन नियुक्तियों के जरिए बीजेपी (बीजेपी) चुनाव से पहले संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की तैयारी कर रही है। बीजेपी (बीजेपी) ने उत्तर प्रदेश को अलग-अलग संगठनात्मक क्षेत्रों में बांटकर वहां प्रभारियों की नियुक्ति की है। पश्चिम क्षेत्र की जिम्मेदारी प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान को दी गई है। वहीं ब्रज क्षेत्र का प्रभार प्रदेश महामंत्री गीता शाक्य को मिला है। कानपुर क्षेत्र में प्रदेश महामंत्री शंकर लोधी जिम्मेदारी संभालेंगे। अवध क्षेत्र का प्रभारी प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल को बनाया गया है। इसके अलावा प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश सिंह को काशी क्षेत्र और प्रदेश महामंत्री अभिजात मिश्रा को गोरखपुर क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी के लिए ये सभी क्षेत्र राजनीतिक रूप से काफी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। ऐसे में इन नेताओं की भूमिका आने वाले समय में संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय बनाने में अहम हो सकती है। प्रदेश बीजेपी (बीजेपी) ने लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय के लिए भी प्रभारी नियुक्त किया है। एमएलसी गोविंद नारायण शुक्ला को मुख्यालय प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा पार्टी ने अलग-अलग मोर्चों के लिए भी प्रभारियों के नाम घोषित किए हैं। प्रदेश महामंत्री राजेश चौधरी को युवा मोर्चा, संजय राय को पिछड़ा मोर्चा और प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह को अनुसूचित मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। महिला मोर्चा की जिम्मेदारी प्रदेश उपाध्यक्ष कामेश्वर सिंह को दी गई है। वहीं डॉ. प्रियंका रावत को अनुसूचित जनजाति मोर्चा और देवेश कोरी को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रभारी बनाया गया है। प्रदेश उपाध्यक्ष शंकर गिरी को भी संगठन में जिम्मेदारी दी गई है। बीजेपी (बीजेपी) ने संगठन के दूसरे महत्वपूर्ण कामों के लिए भी नेताओं की नियुक्ति की है। यतेंद्र शर्मा को पार्टी का मीडिया प्रभारी बनाया गया है। वहीं ब्रज बहादुर को प्रदेश उपाध्यक्ष के तौर पर विस्तारक योजना की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अर्चना मिश्रा को 'मन की बात' कार्यक्रम के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। राहुल वाल्मीकि को इसी कार्यक्रम के लिए प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी मिली है। इन नियुक्तियों के जरिए पार्टी संगठन के प्रचार, कार्यकर्ताओं के विस्तार और केंद्र सरकार के कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने पर भी जोर देती नजर आ रही है। उत्तर प्रदेश में अगला विधानसभा चुनाव 2027 में होना है। ऐसे में बीजेपी (बीजेपी) की ओर से संगठन में की गई ये नियुक्तियां काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। पार्टी की कोशिश है कि अलग-अलग क्षेत्रों में वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी देकर स्थानीय स्तर पर संगठन को सक्रिय रखा जाए।

साथ ही युवा, पिछड़े, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक मोर्चों के जरिए अलग-अलग वर्गों तक पार्टी की पहुंच मजबूत की जा सके। क्षेत्र प्रभारियों की जिम्मेदारी संगठन और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल बनाने की भी होगी। आने वाले महीनों में इन नेताओं की सक्रियता से यह साफ होगा कि बीजेपी (बीजेपी) की यह नई टीम 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को किस तरह आगे बढ़ाती है।

सीएम योगी ने मंच से लिया सपा विधायक का नाम, रितेश पांडेय का जिक्र कर बढ़ाई हलचल

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ के अंबेडकरनगर दौरे के दौरान विकास योजनाओं के साथ-साथ एक राजनीतिक संदेश भी चर्चा का विषय बन गया. शुक्रवार को आलापुर के अहिरौली स्थित बाबा गोविंद साहब धाम में आयोजित जनसभा में सीएम योगी ने जलालपुर से समाजवादी पार्टी के विधायक राकेश पांडेय का नाम लेकर उनकी अनुपस्थिति का जिक्र किया.

मुख्यमंत्री ने कहा कि राकेश पांडेय स्वास्थ्य कारणों से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन उनके पुत्र और पूर्व सपा सांसद रितेश पांडेय कार्यक्रम में मौजूद हैं. रितेश पांडेय अब भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो चुके हैं. सीएम के इस बयान के बाद जिले की सियासत में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन के दौरान जलालपुर विधायक राकेश पांडेय का नाम लिया. राजनीतिक जानकार इसे महज औपचारिक टिप्पणी नहीं मान रहे हैं. सीएम द्वारा राकेश पांडेय और उनके पुत्र रितेश पांडेय का एक साथ जिक्र किए जाने को ब्राह्मण राजनीति के नजरिए से भी देखा जा रहा है. खासकर अयोध्या विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी द्वारा पवन पांडेय को आगे किए जाने के बाद इस बयान के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं. जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंबेडकरनगर को बड़ी सौगात दी. उन्होंने जिले में करीब 706 करोड़ रुपये की लागत वाली 194 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया. इस दौरान सीएम ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक भी वितरित किए. उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर क्षेत्र में विकास पहुंचाना है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर भी निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि अनुपूरक बजट के दौरान विपक्ष ने विधानसभा की कार्यवाही नहीं चलने दी. सीएम ने कहा कि सरकार सामाजिक न्याय से जुड़े महापुरुषों और संतों के स्मारकों के विकास, कोटेदारों के इंसेंटिव और ग्राम चौकीदारों के मानदेय में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव लाना चाहती थी, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण काम प्रभावित हुआ. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार रोजगार के नए अवसर पैदा करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है. उन्होंने दावा किया कि हर जिले में रोजगार जोन विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है, जिससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल सके. सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब विकास और निवेश के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है. सरकार उद्योग, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को प्राथमिकता दे रही है. हालांकि, राकेश पांडेय का नाम लेकर सीएम योगी ने अंबेडकरनगर की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है. इसे आगामी चुनावी समीकरणों और ब्राह्मण वोट बैंक की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है.

जिले के आला प्रशासनिक अधिकारी के द्वारा रचे जा रहव कुचक्र और षड्यंत्र से बोखला कर प्रशिक्षु आईएएस जॉइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह ने अब खोल दिया मोर्चा

जिले में 3 वर्षों से चल रही धांधल गर्दी और सरकारी धन की लूट के मामलों की जांच करके पर्दाफाश करने में जुटे प्रशिक्षु आईएएस को आला अधिकारी ने समस्त जांचों से हटा दिया है तथा चाहे नगर पालिकाओं का भृष्टाचार हो या नामामि गंगे का अरबों का घोटाला अथवा ग्राम विकास मामलों में हो रहा गबन तथा जालौन में नजूल भूमि पर कब्जा करने वाले भू माफियाओं के विरुद्ध रिंकू सिंह ने जब कार्यवाही करने का मन बनाया तो आला अफसर द्वारा भूमाफियाओं का संरक्षण करके उनको काम जारी रखने का आस्वासन दिया गया, जिले की ऐसी अंदरूनी प्रशासनिक व्यवस्थाएं देख कर नया आईएएस बोखला गया जिसका परिणाम अब आला अफसर और रिंकू सिंह के बीच जंग के रूप में सामने है

- ›› घटिया आचरण वाले जिले के आला अधिकारी द्वारा छुट भइयो के साथ मिलकर लगातार किये जा रहे आईएएस को हतोत्साहित करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है
- ›› एएसपी को भेजे पत्र में शिकायतकर्ताओं से शपथपत्र लेने की मांग, आरोप गलत साबित होने पर एफआईआर की पैरवी
- ›› 120 किमी की रफ्तार से वाहन चलाने के आरोप पर उठाए सवाल
- ›› घटनास्थल पर शिकायतकर्ता की मौजूदगी को भी बताया जांच का विषय
- ›› तहसीलदार, लेखपाल, शिक्षक और कारोबारी से जुड़ी शिकायतों का पत्र में सिलसिलेवार जवाब, प्रशासनिक कार्रवाई और कार्यशैली का भी किया उल्लेख 'विधिविरुद्ध कोई काम नहीं किया,
- ›› शिकायतों को एक साथ देखने पर सामने आ सकता है कथित षड्यंत्र'

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। जालौन तहसील के संयुक्त मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी (न्यायिक) के खिलाफ सामने आईं शिकायतों ने अब नया मोड़ ले लिया है। शिकायतों की जांच के लिए अपर पुलिस अधीक्षक को भेजे गए पत्र में संयुक्त मजिस्ट्रेट ने न केवल आरोपों का सिलसिलेवार जवाब दिया है, बल्कि उनके पीछे कथित षड्यंत्र की आशंका भी जताई है। उन्होंने मांग की है कि उनके खिलाफ अब तक प्राप्त सभी शिकायतों को एक साथ लेकर निष्पक्ष जांच कराई जाए और शिकायतकर्ताओं से लगाए गए आरोपों के संबंध में शपथपत्र लेकर तथ्यों की पुष्टि कराई जाए। अधिकारी का कहना है कि यदि जांच में आरोप असत्य पाए जाते हैं तो शिकायतकर्ताओं और कथित षड्यंत्र में शामिल लोगों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जानी चाहिए। 7 अगस्त को अपर पुलिस अधीक्षक, जालौन को भेजे पत्र में संयुक्त मजिस्ट्रेट ने 31 जुलाई के उस पत्र का संदर्भ दिया है, जिसके माध्यम से तीन शिकायतें जांच के लिए भेजी गई थीं। पत्र में कहा गया है कि शिकायतों में ऐसे कार्यों का उल्लेख है, जो मजिस्ट्रेट पद के दायित्वों से जुड़े हैं। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने लिखा है कि उन्हें विश्वास है कि मजिस्ट्रेट के कार्यों की पुलिस विभाग से जांच कराए जाने से संबंधित सभी विधि एवं नियमों का पालन करने के बाद ही जांच सौंपी गई होगी।

'लगातार शिकायतों से मानसिक प्रताड़ना' का दावा

संयुक्त मजिस्ट्रेट ने पत्र में कहा है कि लगातार सामने आ रही शिकायतों को अलग-अलग जांचने के बजाय सभी शिकायतों को एक साथ संज्ञान में लेकर परीक्षण किया जाए। उनका तर्क है कि इससे शिकायतों के नाम पर की जा रही कथित लगातार मानसिक प्रताड़ना को सीमित किया जा सकेगा। उन्होंने मीडिया में धीरे-धीरे सामने आ रही अन्य शिकायतों को भी जांच के दायरे में शामिल करने की मांग की है। अधिकारी ने पत्र में शपथपूर्वक कहा है कि उनके द्वारा कोई विधिविरुद्ध कार्य नहीं किया गया है। साथ ही यह दावा किया है कि सभी शिकायतों को एक साथ देखने पर उनके विरुद्ध चल रहे कथित षड्यंत्र का खुलासा हो सकता है।

120 किमी की रफ्तार वाले आरोप पर कई सवाल

अधिवक्ता अनिल तिवारी, मंत्री बार एसोसिएशन, तहसील जालौन की शिकायत का उल्लेख करते हुए संयुक्त मजिस्ट्रेट ने वाहन की कथित 120 किलोमीटर प्रति घंटा की गति को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पूछा कि यदि शिकायतकर्ता ने घटना को देखा था तो उस समय शिकायतकर्ता का वाहन कितनी गति से चल रहा था।

पत्र के अनुसार शिकायतकर्ता द्वारा अधिकारी को चालक सीट से उतरकर दूसरी सीट पर आते हुए देखने का उल्लेख किया गया है। इस पर संयुक्त मजिस्ट्रेट ने घटनास्थल पर शिकायतकर्ता की मौजूदगी को जांच का विषय बताते हुए यह आशंका व्यक्त की है कि यह महज संयोग था या इसके पीछे कोई पूर्व नियोजित प्रयास था। उन्होंने पत्र में एक गंभीर आशंका भी दर्ज कराई है कि यदि उन्हें जानकारी थी कि अधिकारी स्वयं वाहन चला रहे हैं तो क्या सड़क पर गाय को जानबूझकर छोड़ा गया था। हालांकि यह अधिकारी द्वारा व्यक्त की गई आशंका है, जिसका सत्यापन जांच में ही संभव होगा। संयुक्त मजिस्ट्रेट ने शिकायतकर्ता से यह भी पूछे जाने की बात कही है कि अधिकारी के घटनास्थल से चले जाने के बाद गाय के शव की समुचित सुपुर्दगी के लिए उन्होंने क्या प्रयास किए। पत्र में दुर्घटना की तारीख और अधिकारी के स्थानांतरण की तारीख के बीच के अंतर का भी उल्लेख करते हुए शिकायत की टाइमलाइन की जांच की मांग की गई है।

तहसीलदार की शिकायत पर भी उठाए सवाल

प्रभारी तहसीलदार तारा शुक्ला की शिकायत को लेकर संयुक्त मजिस्ट्रेट ने तहसील में कर्मचारियों की तैनाती, कार्यभार और प्रशासनिक परिस्थितियों का विस्तार से उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि तहसील में संयुक्त मजिस्ट्रेट की तैनाती के समय मजबूत सहयोगी टीम की आवश्यकता थी, लेकिन तीन नायब तहसीलदारों के स्थान पर केवल दो नायब तहसीलदार तैनात थे। ऐसे में श्रीमती तारा शुक्ला को तहसीलदार का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। पत्र में तत्कालीन तहसीलदार अमित शेखर के स्थानांतरण और बाद में उपजिलाधिकारी के रूप में कालपी में तैनाती का भी उल्लेख किया गया है। संयुक्त मजिस्ट्रेट का तर्क है कि उनके स्थानांतरण के बाद किसी अन्य तहसीलदार की तैनाती की जा सकती थी, जिससे कार्यभार का संतुलन बेहतर रहता। उन्होंने यह भी लिखा है कि तारा शुक्ला के तहसीलदार का प्रभार लेने के बाद हुई ऑनलाइन बैठक में तहसील की कम प्रगति को लेकर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई थी। साथ ही उन्होंने अपने खिलाफ जुलाई में जारी प्रतिकूल प्रविष्टि का भी उल्लेख किया और कहा कि बाद में प्रतिकूल प्रविष्टि के स्थान पर एक वेतन वृद्धि रोकने का दंड स्वीकार किया गया, जो उन पर लागू भी हो चुका है।

'शिकायत लिखे जाने के समय ही स्थानांतरण तय था?'

तहसीलदार से जुड़ी शिकायत के संबंध में संयुक्त मजिस्ट्रेट ने पत्र में यह भी सवाल उठाया है कि क्या शिकायत लिखे या लिखवाए जाने के समय ही उनका स्थानांतरण पूर्व नियोजित था। कोल्ड स्टोरेज से जुड़ी जांच के दौरान सामने आए कुछ कथित बयानों का भी उन्होंने उल्लेख किया है। अधिकारी ने लिखा है कि इन घटनाओं और परिस्थितियों को जोड़कर देखने पर उन्हें कथित षड्यंत्र की आशंका और मजबूत होती है। हालांकि पत्र में यह भी संकेत दिया गया है कि कुछ तथ्यों को आचार संहिता के कारण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता।

मार्बल कारोबारी की शिकायत पर भी जवाब

दयाल मार्बल्स जालौन के मनीष कुमार गुप्ता की शिकायत के संबंध में संयुक्त मजिस्ट्रेट ने दावा किया है कि शिकायतकर्ता ने स्वयं देखे गए तथ्यों के बजाय दूसरों से सुनी बातों के आधार पर शिकायत की है। उन्होंने अतिक्रमण हटाओ अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि नगर पालिका के अधिकारियों और कर्मचारियों के अनुरोध पर उन्होंने मजिस्ट्रेट के रूप में अभियान में सहयोग किया था।

कर्मचारी शिकायतों का भी पत्र में उल्लेख

श्रीमती भानुमति, नाजिर से संबंधित मामले में संयुक्त मजिस्ट्रेट ने कहा है कि मृतक आश्रित के तौर पर नियुक्ति के बाद निर्धारित अवधि में टाइपिंग टेस्ट पास करना आवश्यक है। इसलिए उन्हें टाइपिंग सीखने के लिए कहा गया था।

उन्होंने तहसील में जनरेटर की लाइन जोड़ने के लिए नंगे तारों के इस्तेमाल को भी गंभीर सुरक्षा खतरा बताते हुए दावा किया कि उन्होंने चेंजओवर लगवाने के निर्देश दिए थे। अधिकारी के अनुसार इस मामले में नाराजगी व्यक्त करते हुए एक दिन का वेतन कटौती भी सुनिश्चित की गई।

लेखपालों की शिकायत में 'कार्य व्यवस्था' का बचाव

लेखपालों की शिकायत के संदर्भ में संयुक्त मजिस्ट्रेट ने कहा कि एक से अधिक हलकों का प्रभार उनकी तैनाती से पहले से दिया गया था और उनके स्थानांतरण के बाद भी व्यवस्था कायम रही। व्यक्तिगत मुलाकात पर रोक लगाए जाने के संबंध में उन्होंने कहा कि यह किसी आरोप से बचने के लिए किया गया प्रशासनिक कदम था। उनके अनुसार खुली बैठकों, ऑनलाइन बैठकों और तहसीलदार व नायब तहसीलदार के माध्यम से लगातार संवाद किया जाता रहा। पत्र में कुछ लेखपालों के कथित अनुशासनहीन व्यवहार और आदेशों की अवहेलना का भी उल्लेख किया गया है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

शिक्षकों की शिकायत में बीईओ की भूमिका पर सवाल

जनगणना कार्य के दौरान शिक्षकों और प्रगणकों की प्रगति की निगरानी का हवाला देते हुए संयुक्त मजिस्ट्रेट ने खंड शिक्षा अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने विशेष रूप से कुठौंद के खंड शिक्षा अधिकारी की लाइव लोकेशन और मौके पर उनकी कथित अनुपस्थिति का उल्लेख किया है।

अधिकारी का दावा है कि उन्होंने क्षेत्र में जाकर वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया था। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षकों से संबंधित शिकायतों को कुछ शिक्षक नेताओं द्वारा अलग रूप देने का प्रयास किया गया।

अब जांच पर टिकी नजर

संयुक्त मजिस्ट्रेट ने अंत में अपर पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि सभी शिकायतकर्ताओं की पुष्टि कराई जाए और आरोपों की सत्यता का परीक्षण किया जाए। उनका कहना है कि यदि आरोप झूठे साबित होते हैं तो शिकायतकर्ताओं तथा कथित षड्यंत्र में शामिल लोगों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए।

अब पूरे मामले में सबसे अहम सवाल यही है कि पुलिस जांच शिकायतों में लगाए गए आरोपों को कितना सही पाती है और संयुक्त मजिस्ट्रेट द्वारा लगाए गए कथित षड्यंत्र के आरोपों की जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है। फिलहाल अधिकारी के विस्तृत जवाब ने जालौन तहसील में शिकायतों को लेकर चल रहे विवाद को नया मोड़ दे दिया है।

संभल हिंसा की रिपोर्ट पर इकबाल महमूद का पलटवार, बेटा फंसा तो आयोग को ही झूठा बता दिया

संभल हिंसा की जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद अब इस मामले में सियासी घमासान और तेज हो गया है। जांच रिपोर्ट में संभल हिंसा को लेकर कई लोगों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं, वहीं सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क तथा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहैल इकबाल का नाम भी चर्चा में आया है।

रिपोर्ट में खुद के बेटे का नाम आने पर संभल के सपा विधायक इकबाल महमूद ने जांच आयोग की पूरी रिपोर्ट को ही कठघरे में खड़ा कर दिया।रिपोर्ट को लेकर विधायक ने साफ शब्दों में कहा कि वह इससे बिल्कुल इत्तेफाक नहीं रखते। उन्होंने रिपोर्ट को पूरी तरह झूठ पर आधारित बताया और कहा कि वह इस रिपोर्ट पर विश्वास नहीं करते। इकबाल महमूद ने कहा कि आयोग सरकार के निर्देश पर बनाया गया था और आयोग ने सर्वे तथा जांच के बाद सरकार को रिपोर्ट सौंपी। विधानसभा में रिपोर्ट पेश होने के बाद अब उन्होंने इसकी निष्पक्षता पर ही सवाल उठा दिए हैं। विधायक का कहना है कि जिस रिपोर्ट को सरकार गंभीर जांच का नतीजा बता रही है, वह उनके मुताबिक सच्चाई पर आधारित नहीं है। इकबाल महमूद ने संभल हिंसा को हिंदू-मुस्लिम विवाद मानने से साफ इनकार किया। उनका दावा है कि संभल में हिंदू और मुस्लिमों के बीच कोई झगड़ा नहीं था, बल्कि पुलिस की गोलीबारी के बाद हालात बिगड़े। विधायक ने आरोप लगाया कि पुलिस के एक अधिकारी की भूमिका संदिग्ध थी और पुलिस की कार्रवाई के कारण हिंसा बढ़ी। उन्होंने दावा किया कि गोलीबारी में पांच लोगों की मौत हुई। रिपोर्ट में मौतों को लेकर सामने आए निष्कर्षों पर भी विधायक ने सवाल खड़े किए और कहा कि क्या प्रदर्शन कर रहा कोई समुदाय अपने ही लोगों पर गोली चलाएगा।इकबाल महमूद ने कहा कि पुलिस ने मामले की जांच की थी और पुलिस की जांच में उनके बेटे सुहैल इकबाल की कोई भूमिका सामने नहीं आई थी। विधायक के मुताबिक, इसी वजह से पुलिस ने जो चार्जशीट दाखिल की, उसमें उनके बेटे का नाम शामिल नहीं किया गया। हालांकि स्नद्ब्रक्रमें उनके बेटे का नाम था और जांच आयोग ने भी उन्हें दोषी माना है, तो विधायक ने कहा कि आयोग ने शायद स्नद्ब्रक्रमें नाम दर्ज होने के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला होगा। उन्होंने साफ कहा कि वह आयोग के इस निष्कर्ष से भी सहमत नहीं हैं। जांच आयोग के सामने करीब 199 लोगों के बयान दर्ज होने का जिक्र आने पर विधायक ने सवाल किया कि क्या इन सभी गवाहों ने उनके बेटे को दोषी बताया है। जब विधायक को बताया गया कि गवाहों में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग शामिल हैं, तो विधायक ने आरोप लगाया कि संभल में उस समय पुलिस का दबाव था और लोग स्वतंत्र होकर अपनी बात नहीं रख पा रहे थे। उन्होंने दावा किया कि लोगों से वैसा ही बयान दिलवाया जा रहा था, जैसा पुलिस या प्रशासन चाहता था। इकबाल महमूद ने आयोग की रिपोर्ट की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया। उनका कहना है कि वह ऐसी जांच को न्यायिक जांच नहीं मानते, जिसमें हाईकोर्ट के मौजूदा जज की अध्यक्षता न हो। विधायक ने दावा किया कि रिपोर्ट में केवल आयोग के चेयरमैन के हस्ताक्षर हैं, जबकि दो अन्य सदस्यों के हस्ताक्षर नहीं हैं। इसी बात को आधार बनाकर उन्होंने सवाल उठाया कि अगर दोनों सदस्यों के हस्ताक्षर नहीं हैं, तो क्या वे इस रिपोर्ट से सहमत थे। संभल हिंसा को लेकर इकबाल महमूद ने तत्कालीन सीओ की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए। विधायक ने दावा किया कि उन्होंने कई बार डीजीपी से लेकर एसपी और शासन स्तर तक अधिकारी की शिकायत की थी और उसे संभल से हटाने की मांग की थी। विधायक ने आरोप लगाया कि उक्त अधिकारी की वजह से संभल में अव्यवस्था और कथित वसूली का माहौल बना हुआ था। इकबाल महमूद ने अपने आरोपों को आगे बढ़ाते हुए कहा कि उन्होंने कई बार शिकायत की, लेकिन अधिकारी को हटाया नहीं गया और उनके मुताबिक, इसी अधिकारी की भूमिका के कारण हिंसा भड़की। रिपोर्ट में संभल के पुराने घटनाक्रम और सांप्रदायिक तनाव से जुड़े दावों पर भी विधायक ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संभल में कोई पलायन नहीं हुआ। विधायक ने यह भी कहा कि किसी मंदिर या मस्जिद को उस घटना में नुकसान नहीं पहुंचाया गया। उन्होंने पुराने मंदिर का जिक्र करते हुए कहा कि जब मंदिर के कपाट खोले गए, तो वहां मौजूद सामान और पुराने सिक्के उसी स्थिति में मिले, जिस स्थिति में उन्हें छोड़ा गया था। उन्होंने दावा किया कि मंदिर के पुजारी ने भी कहा था कि मंदिर की स्थिति पहले जैसी ही थी। संभल में वर्षों बाद मंदिर खुलने और उससे जुड़े दावों पर भी इकबाल महमूद ने सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि इस मामले को एकतरफा तरीके से पेश किया जा रहा है। विधायक ने दावा किया कि इन बातों के जरिए संभल और संभल की जनता को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि संभल में हिंदू-मुस्लिम भाईचारा पहले भी था, आज भी है और आगे भी रहेगा।

जालौन की महिला आरक्षियों ने खेल प्रतियोगिता में लहराया परचम, एसपी ने किया सम्मानित

(यंग भारत न्यूज)

उरई,(वार्ता)। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले की महिला आरक्षी मालती और रुपल तोमर ने मुरादाबाद में आयोजित 43वीं उत्तर प्रदेश वार्षिक क्लस्टर (बैडमिंटन/टेबल टेनिस) खेल प्रतियोगिता-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्पर्धाओं में पदक हासिल कर जनपद पुलिस का नाम रोशन किया। पुलिस अधीक्षक जालौन विनय कुमार सिंह ने दोनों प्रतिभावान महिला खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। दोनों खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में कानपुर जोन, कानपुर की टीम की ओर से प्रतिभाग किया था।

पुलिस के अनुसार, महिला आरक्षी मालती एवं रुपल तोमर ने टेबल टेनिस टीम चैंपियनशिप प्रतियोगिता में तृतीय स्थान हासिल किया। इसके साथ ही दोनों खिलाड़ियों ने बैडमिंटन टीम चैंपियनशिप प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं ओपन बैडमिंटन डबल्स प्रतियोगिता में दोनों ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। एक ही प्रतियोगिता में विभिन्न स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल करना जालौन पुलिस के लिए गौरव की बात है। दोनों महिला आरक्षियों की उपलब्धि से पुलिस विभाग में खुशी का माहौल है। सहकर्मियों एवं अधिकारियों ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने दोनों महिला आरक्षियों को उनकी सराहनीय उपलब्धियों पर बधाई दी। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन से पुलिस कर्मियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता विकसित होती है। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों को भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने तथा जनपद जालौन एवं उत्तर प्रदेश पुलिस का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। जालौन पुलिस की इन महिला खिलाड़ियों की उपलब्धि न केवल विभाग के लिए गौरव का विषय है, बल्कि अन्य पुलिसकर्मियों को भी खेलों में आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी।

किशोरी को सर्प ने काटकर किया अचेत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी । शनिवार के दिन सुबह 14 वर्षीय शिखा देवी पुत्री दौलत राम निवासी जनपद कानपुर देहात थाना भोगनीपुर ग्राम डिडौलिया घर पर किशोरी लड़की को कहीं से आए हुए जहरीले सर्प ने काट कर हालत बिगड़ी घर पर मौजूद परिजनो ने आनंन-फानन किशोरी को बेहोशी हालत में उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विशाल सचान ने किशोरी मरीज की जांच की जांच दौरान गंभीर स्थिति पाए जाने पर प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया।

अतरछला में मानव उत्थान समिति के तत्वावधान में शैक्षिक कार्यक्रम का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। माता पिता को अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए शिक्षा के साथ साथ संस्कारों पर भी पैनी नजर रखनी चाहिए। क्योंकि यही पीढ़ी विकसित भारत की नींव है। यह बात सामाजिक न्याय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश निरंजन भैयाजी ने उच्च प्राथमिक विद्यालय अतरछला में आयोजित शैक्षिक कार्यक्रम में कही। इस दौरान विद्यालय परिसर में पौधों का भी रोपण किया गया।

उच्च प्राथमिक विद्यालय अतरछला में मानव उत्थान समिति के तत्वावधान में शैक्षिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय किसान मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश निरंजन भैयाजी ने कहा कि अच्छी शिक्षा और उच्च संस्कारों से चरित्र निर्माण की प्रक्रिया जीवन का अंग बन जाती है। अभिभावकों को चाहिए कि उनके बच्चों की रूचि जिस ओर है, उन्हें उसी दिशा में आगे बढ़ाया जाए। खेलकूद में रूचि रखने वाले बच्चों को उनकी रूचि के अनुसार ट्रेनिंग की व्यवस्था यदि शिक्षकों की ओर से की जाए तो बेहतर है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संत बैजनाथानंद ने कहा कि आजकल मोबाइल का काफी चलन है। अभिभावक अपने बच्चों को मोबाइल पकड़ा देते हैं। लेकिन इसमें ध्यान रखा जाए कि मोबाइल का इस्तेमाल बच्चे अपनी शैक्षिक रूचि के लिए करें। उसका गलत इस्तेमाल न करें। अंत में विद्यालय परिसर में पौधों का रोपण कर ग्रामीणों ने उनकी देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन राजू सक्सेना ने किया। इस मौके पर राजकिशोर सिंह गुर्जर, ओमप्रकाश, शैलेंद्र सिंह पटेल, शिवपाल सिंह, गंगराम, शिवराम, देवेंद्र सिंह, सतेगंद्र सिंह, श्रीराम आदि रहे।

बरसात के मौसम में रास्ते में कींचड होने के कारण लोगों का निकलना हुआ मुश्किल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। चुर्खी रोड पर स्थित राधे कॉलोनी की आम रास्ता कच्ची है। आम रास्ता कच्चा होने के चलते कॉलोनी के बाशिंदे परेशान हैं। बरसात के मौसम में रास्ते में कींचड होने के कारण लोगों का निकलना मुश्किल है।

नगर क्षेत्र में चुर्खी रोड पर चंदा छाया गेस्ट हाउस के सामने लगभग सात वर्ष पूर्व राधे कॉलोनी का निर्माण किया गया था। कॉलोनी की दूरी मुख्य सड़क मार्ग से तकरीबन 400 मीटर की है। इस सड़क को बनवाने की मांग कॉलोनी में रहने वाले लोग कॉलोनी बनने के बाद से ही कर रहे हैं। कुछ समय पूर्व मुख्य मार्ग से लगभग 150 मीटर सडक का निर्माण हो चुका है। इसके आगे का मार्ग अभी भी कच्चा ही है। बारिश के मौसम में कॉलोनी में जलभराव और कीचड़ जमा हो जाता है। जिससे कॉलोनी से निकलना मुश्किल हो जाता है। बच्चे तक खेलने के लिए बाहर नहीं जा पाते हैं। कॉलोनी में रहने वाले विमल समाधिया, धर्मेंद्र सिंह, शिवाजी, दीपक सोनी, कुलदीप सिंह राजावत, रोशन सिह कुशवाहा, विजय पाल, कैलाश कुशवाहा आदि ने बताया कि कॉलोनी के लिए लगभग सात साल से रोड बनवाने की मांग की जा रही है। कुछ समय पूर्व सड़क बनाई गई थी। लेकिन वह कॉलोनी तक नहीं बनाई गई है। जिसके चलते समस्या जस की तस बनी हुई है। बच्चों को स्कूल तक भेजने में दिक्कत होती है। वहीं, बारिश में कच्चे रास्ते और घास फूस में कीड़ों का भी डर बना रहता है। बारिश के मौसम में घर से बाहर वाहन तक नहीं निकाल पाते हैं। पैदल निकलना भी मुश्किल होता है। यदि शेष सड़क का भी निर्माण हो जाए तो लोगों की समस्याओं का अंत हो जाएगा।

चार दिन से फुका पडा आराजीलेन का 25 केवीए का ट्रांसफार्मर

अंधेरे में रहने को मजबूर मुहल्लावासी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच। नगर के मुहल्ला आराजी लेन में लगा 25 केवीए का ट्रांसफार्मर पिछले चार दिनों से अधिक समय से फुंका पड़ा है। इसके चलते पूरे इलाके की विद्युत आपूर्ति ठप है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली गुल रहने से पेयजल संकट गहरा गया है, घरेलू कामकाज प्रभावित हैं और बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो रही है। बारिश के मौसम में रात के समय अंधेरे के कारण लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। मुहल्लेवासी यूसुफ, शरीफ, कदीम, जावेद और आकिब ने बताया कि ट्रांसफार्मर खराब होने की सूचना कई बार बिजली विभाग को दी जा चुकी है, लेकिन चार दिन बीतने के बाद भी न तो नया ट्रांसफार्मर लगाया गया और न ही वैकल्पिक बिजली आपूर्ति की कोई व्यवस्था की गई। उनका आरोप है कि विभागीय लापरवाही का खामियाजा क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। मुहल्लेवासियों ने फुंके ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलने और बिजली आपूर्ति शीघ्र बहाल कराने की मांग की है।वही एसडीओ धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि संबंधित जेई की आरडी (रिक्विजिशन) से नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध नहीं हो सका, इसलिए अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं पहुंच पाया है। जल्द ही नया ट्रांसफार्मर मंगवाकर उसे लगवा दिया जाएगा।

हर घर जल योजना ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी

चार वर्षों से नलों में पानी की एक बूंद तक की नहीं हुई सप्लाई

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर जल योजना का उद्देश्य ग्रामीणों के घरों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है, लेकिन विकासखंड जालौन की ग्राम पंचायत खनुवां में यह योजना ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनती नजर आ रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में पानी की टंकी खड़ी है, घरों में नल कनेक्शन भी कर दिए गए हैं, लेकिन बीते करीब चार वर्षों से नलों में पानी की एक बूंद तक नहीं टपकी। ऐसे में इस योजना की उपयोगिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

नमामि गंगे एवं हर घर जल योजना के तहत गांव में पानी की टंकी का निर्माण कराया गया और घर-घर नल कनेक्शन भी लगाए गए। उस समय ग्रामीणों को उम्मीद जगी थी कि अब उन्हें पानी के लिए दूर-दराज नहीं भटकना पड़ेगा, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी नलों से पानी नहीं आया। ग्रामीण रामकुमार, बृजेश, राजेश आदि ने बताया कि गांव में टंकी बनकर तैयार है, पाइप लाइन बिछी है और नल घरों की शोभा बढ़ा रहे हैं, लेकिन पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हुई। ग्रामीणों की परेशानी केवल पेयजल तक सीमित नहीं है। पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़क की समुचित मरम्मत न होने से जगह-जगह गड्ढे बन गए हैं। बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भरने से रास्ते दलदल में तब्दील हो गए हैं। ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई बरसात में यह समस्या गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब घरों में नल कनेक्शन कर दिए गए और पानी की टंकी भी तैयार है, तो आखिर चार वर्षों से जलापूर्ति शुरू न होने का क्या कारण है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कराकर जिम्मेदारों की जवाबदेही तय की जाए और गांव में तत्काल नियमित पेयजल आपूर्ति शुरू कराई जाए।

बारिश में जगह जगह जलभराव व कीचड से परेशानी, मौसम खुलते ही उमस हुई जानलेवा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । तीन दिन लगातार बारिश के बाद मौसम शुक्रवार को कुछ समय के लिए खुल गया मौसम खुलने के बाद उमस भरी गर्मी फिर से बढ़ने लगी है।

अभी पिछले तीन दिनों तक लगातार बारिश होती रही। बारिश के दौरान हालाकि कहीं कहीं जलभराव और कीचड़ के चलते लोगों को दिक्कतों का सामाना करना पड़ा। लेकिन इस दौरान मौसम में ठंडक रही और लोगों ने बारिश के मौसम का जमकर आनंद लिया। शुक्रवार की सुबह थोड़ी बारिश होने के बाद मौसम खुल गया। दिन भर बादलों के बीच धूप की लुकाछिपी का खेल चलता रहा। मौसम के खुलने के साथ ही गर्मी ने एक बार फिर अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। तीन दिनों की ठंडक के बाद शुक्रवार को खुले मौसम के बीच उमस भरी गर्मी भी शुरू हो गई। जिसके चलते लोगों को थोड़ी परेशानी हुई। हालांकि तीन दिनों तक जो लोग काम पर नहीं जा पा रहे थे, उन्हेंाने काम पर जाना शुरू कर दिया। लोगों की दिनचर्या भी सामान्य हुई। वहीं, बाजार में पसरा सन्नाटा भी शुक्रवाा को कम हुआ। लोगों ने बाजार पहुंचकर सामान की खरीदारी की।

हरिनाम संकीर्तन साप्ताहिक यज्ञ महोत्सव का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई । ग्राम सिकरीराजा में हरिनाम संकीर्तन साप्ताहिक यज्ञ महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भक्त पहुंचकर संकीर्तन कर रहे है। ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम सिकरी राजा में सरकार धाम स्थित हनुमान मंदिर में साप्ताहिक हरिनाम संकीर्तन साप्ताहिक यज्ञ महोत्सव का आयोजन चल रहा है। हरिनाम संकीर्तन में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचकर संकीर्तन का जाप कर रहे हैं। जिसमें हरे राम, हरे राम, राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण, हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे का जाप चल रहा है। संकीर्तन में आलोक, अतुल, रामकेश, जितेंद्र, कपिल, नीरज, देवेश आदि ने भाग लिया।

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर,,तीन लोग घायल

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर के चुर्खी रोड से उरगांव मोड़ के पास दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हिरदेशाह निवासी अंशु (18) अपने भाई प्रियांशु (15) के साथ बाइक चुर्खी रोड पर जा रहा था। इसी दौरान दूसरी ओर से ऐदलपुर की तरफ से लौना की ओर आ रहे ऐदलपुर निवासी कमलेश (36) बाइक लेकर कैलाशी देवी श्रवण कुमारी महाविद्यालय के पास स्थित मोड़ के पास पहुंचे। आमने सामने बाइकों के आने पर दोनों संतुलन नहीं रख सके और उनमें आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही तीनों बाइक सवार बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। मौसे से निकल रहे राहगीरों ने एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से तीनों घायलों को सीएचसी पहुंचाया गया। यहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों ने तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उच्च संस्थान रेफर कर दिया।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक पहुंचने के लिए रास्ते की व्यवस्था न होने मरीजों को भारी परेशानी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। हथना बुजुर्ग में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक पहुंचने के लिए समुचित रास्ते की व्यवस्था न होने के चलते बरसात के दिनों में स्वास्थ्य केंद्र के चारों ओर पानी भर जाता है। जिसके चलते मरीजों और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने की मांग डीएम से की है।

तहसील क्षेत्र के ग्राम हथना बुजुर्ग में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग पर बारिश के दौरान पानी भर जाता है। यह मार्ग पूरी तरह जलमग्न हो जाने के चलते बुजुर्गों, महिलाओं, गर्भवती महिलाओं और बच्चों को इलाज के लिए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। कई मरीज मजबूरी में बिना इलाज कराए वापस लौट जाते हैं, जबकि कुछ लोग निजी अस्पतालों का रुख करने को विवश होते हैं। केंद्र के आसपास जलभराव के कारण पानी में जहरीले कीड़े भी तैरते नजर आते जिससे खतरा और बढ़ जाता है। ग्रामीणों अरूण कुमार, दिनेश, बबलू आदि ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार करोड़ों रुपये खर्च करती है, लेकिन स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने के लिए एक सुरक्षित रास्ता तक नहीं बनाया गया है। बरसात में जलभराव के कारण केंद्र तक पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं है। ग्रामीणों ने डीएम राजेश पांडेय से मांग करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में मरीजों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि ग्रामीणों को समय पर इलाज मिल सके।

थाना समाधान दिवस में तीनों थानों पर पहुंचीं शिकायतें, अधिकारियों ने मौके पर जांच कर निस्तारण के दिए निर्देश

- माधौगढ़ में दो में एक शिकायत का मौके पर निस्तारण, गोहन में तीन और रामपुरा में तीन शिकायतें पहुंचीं निस्तारण शून्य

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शनिवार को माधौगढ़ तहसील क्षेत्र के रामपुरा, गोहन और माधौगढ़ कोतवाली में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने अलग-अलग थानों पर पहुंचकर फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। माधौगढ़ कोतवाल विनोद कुमार मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि उपजिलाधिकारी मनोज प्रकाश की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस आयोजित हुआ। यहां कुल दो शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से एक शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। उपजिलाधिकारी ने शेष शिकायत के संबंध में संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर स्थलीय जांच करने और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और शिकायतकर्ताओं को अनावश्यक रूप से अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। शिकायत की वास्तविक स्थिति जानने के लिए आवश्यकता के अनुसार मौके पर जाकर जांच की जाए और दोनों पक्षों की बात सुनकर निष्पक्ष निर्णय लिया जाए। वहीं गोहन थाना परिसर में भी थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। गोहन थाना अध्यक्ष सतीश कुमार ने बताया कि उपजिलाधिकारी मनोज प्रकाश की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में कुल तीन शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें दो शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित थीं, जबकि एक शिकायत अन्य विभाग से जुड़ी हुई थी। उपजिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर अधिकारी मौके पर जाकर स्थलीय जांच करें, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके और किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो। रामपुरा थाना परिसर में तहसीलदार गौरव कुमार की अध्यक्षता में समाधान दिवस आयोजित किया गया। यहां क्षेत्र के विभिन्न गांवों से फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिकायतों का नियमानुसार एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए। रामपुरा थाना समाधान दिवस के दौरान कुल तीन शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें सभी शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित रहीं। शिकायतों को सुनने के बाद तहसीलदार गौरव कुमार ने राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण महज कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। जरूरत पड़ने पर मौके पर पहुंचकर स्थलीय जांच की जाए और शिकायतकर्ता सहित दोनों पक्षों से बातचीत कर वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त की जाए। तहसीलदार ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जांच करते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि फरियादियों को बार-बार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने राजस्व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, कब्जे, पैमाइश एवं अन्य राजस्व संबंधी मामलों में मौके पर जाकर जांच की जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद ही नियमानुसार रिपोर्ट तैयार की जाए। साथ ही शिकायतकर्ता से संपर्क कर उसकी समस्या और की गई कार्रवाई की स्थिति की जानकारी भी ली जाए।तहसीलदार गौरव कुमार ने कहा कि थाना समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी समाधान कराना है। शासन की मंशा के अनुरूप पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय के साथ शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करें। समाधान दिवस के दौरान इस मौके पर तहसीलदार गौरव कुमार, उपनिरीक्षक शिव श्याम पाण्डे, उपनिरीक्षक सुरेश चंद्र राजपूत, कानूनगो अशोक कुमार, लेखपाल संदीप कुमार, लेखपाल शशांक सोनी, लेखपाल गौरव, लेखपाल प्रवीण कुमार, लेखपाल रंजीत सिंह, लेखपाल भुवनेश, लेखपाल योगेंद्र सिंह सहित पुलिस और राजस्व विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे और फरियादियों की समस्याएं सुनकर संबंधित कर्मचारियों को उनके निस्तारण की जिम्मेदारी सौंपी गई।

मकान निर्माण को लेकर विवाद

- महिला ने दबंगों पर गाली-गलौज व धमकी देने का लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम गोरा चिरैया में मकान निर्माण को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। गांव की रहने वाली शीला देवी पत्नी रामनरेश ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर गांव के ही कुछ लोगों पर निर्माण कार्य में बाधा डालने, गाली-गलौज करने और परिवार को गंभीर धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला ने मामले में कार्रवाई की मांग की है।शिकायत में शीला देवी ने बताया कि वह अपने पूर्वजों की जगह पर लंबे समय से काबिज है और उसके पति व पुत्रों द्वारा वहां मकान का निर्माण कराया जा रहा है। आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान गांव के ही महिपाल सिंह पुत्र गिरेंद्र सिंह, जितेंद्र पुत्र चंदन सिंह, करन वीर सिंह पुत्र रणवीर सिंह तथा सत्य वीर सिंह पुत्र महिपाल सिंह द्वारा कथित रूप से निर्माण कार्य में बाधा उत्पन्न की जा रही है। महिला के अनुसार, निर्माण कार्य को लेकर उत्पन्न विवाद के संबंध में उसके द्वारा पूर्व में उपजिलाधिकारी माधौगढ़ को भी शिकायत दी गई थी। आरोप है कि इसी शिकायत से नाराज होकर 8 अगस्त 2026 की शाम करीब 7:30 बजे उक्त लोग उसके घर पहुंचे और उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। शीला देवी का आरोप है कि आरोपितों ने धमकी देते हुए कहा कि यदि उसके पति द्वारा दोबारा किसी अधिकारी से शिकायत की गई तो घर में घुसकर मारपीट की जाएगी। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसके पति और पुत्रों को जान से मारने की धमकी दी गई तथा परिवार की बहन-बेटियों के साथ अभद्र व्यवहार करने की धमकी भी दी गई। महिला के मुताबिक, इस घटना के बाद से उसका परिवार भय के माहौल में है।महिला ने लगाया रामपुरा पुलिस को शिकायती पत्र देने के बावजूद भी कोई कार्यवाही न करने का आरोप शिकायतकर्ता शीला देवी ने पुलिस पर भी मामले में अपेक्षित कार्रवाई नहीं किए जाने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि शिकायत दिए जाने के बावजूद यदि समय रहते मामले की जांच कर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो विवाद और गंभीर रूप ले सकता है। उसने पुलिस अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने तथा अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। मामला मकान निर्माण से जुड़े विवाद और कथित धमकी से संबंधित होने के कारण पुलिस की जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल महिला द्वारा लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस की ओर से मामले में जांच एवं कार्रवाई के संबंध में आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है।

22 वर्षीय नवविवाहिता ने मायके में फांसी लगा की आत्महत्या

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। माधौगढ़ तहसील क्षेत्र के रामपुरा थाना अंतर्गत चंदानपुरा के मजरा भूरे का पुरा गांव में शनिवार को एक नवविवाहिता द्वारा फांसी लगाकर जान देने का मामला सामने आया। महिला ने अपने मायके में कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार सोनम पत्नी दीपक, उम्र करीब 22 वर्ष, जो कुछ दिन पहले अपने मायके भूरे का पुरा में थी। बताया जा रहा है कि सुबह करीब 10:30 बजे परिजनों ने उसे फंदे पर लटका देखा। यह दृश्य देखते ही घर में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने तत्काल घटना की सूचना रामपुरा थाना पुलिस को दी। मृतका के पिता दिनेश कुमार ने बताया कि सोनम की शादी 11 जून 2026 को नगला चौक, थाना चकरनगर क्षेत्र में हुई थी। शादी के बाद 24 जून 2026 को अपने मायके आई हुई थी। इसी दौरान यह घटना हो गई।सूचना मिलते ही रामपुरा थाना से उपनिरीक्षक जितेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे साथ ही नायब तहसीलदार सादुला खान मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। विवाहिता ने यह कदम क्यों उठाया, इसके पीछे क्या कारण रहा, फिलहाल इसकी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस द्वारा परिजनों से पूछताछ की जा रही है और घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। घटना के बाद से मृतका के मायके में मातम पसरा हुआ है।

टीहर में सिद्ध स्थान की मूर्ति क्षतिग्रस्त, एक सप्ताह बाद भी पुलिस के हाथ खाली

-धार्मिक स्थल की मूर्ति तोड़ने वाले अज्ञात आरोपी का सुराग नहीं लगा सकी रामपुरा पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। थाना रामपुरा क्षेत्र के ग्राम टीहर स्थित सिद्ध स्थान पर मूर्ति क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला एक सप्ताह बीतने के बाद भी अनसुलझा बना हुआ है। धार्मिक स्थल की सिद्ध मूर्ति को अज्ञात व्यक्ति द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू तो की, लेकिन अभी तक घटना को अंजाम देने वाले व्यक्ति का कोई सुराग नहीं लगा सकी

टीहर निवासी राकेश कुमार ने थाना रामपुरा के प्रभारी निरीक्षक शिव प्रकाश सिंह को शिकायती पत्र देकर बताया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सिद्ध स्थान पर स्थापित मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी निरीक्षक ने मामले की जांच टीहर हल्का प्रभारी उपनिरीक्षक को सौंपी थी। शिकायत के बाद ग्रामीणों को उम्मीद थी कि पुलिस शीघ्र ही घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ, उपलब्ध साक्ष्यों की जांच और अन्य आवश्यक कार्रवाई करते हुए आरोपी तक पहुंचेगी। लेकिन घटना को करीब एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। धार्मिक स्थल से जुड़ी घटना होने के बावजूद जांच में अपेक्षित प्रगति न होने को लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा और ऐसी घटनाओं की जांच में तेजी नहीं दिखाई गई तो अराजक तत्वों के हौसले बढ़ सकते हैं। अब सवाल यह है कि आखिर सिद्ध स्थान की मूर्ति किसने और क्यों क्षतिग्रस्त की? एक सप्ताह बीतने के बाद भी रामपुरा पुलिस इस मामले में आरोपी तक क्यों नहीं पहुंच सकी? क्या पुलिस द्वारा घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों की गंभीरता से जांच की गई है? जल्द ही मूर्ति क्षतिग्रस्त का मामला उच्चाधिकारियों से मामले का संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष एवं शीघ्र जांच कर धार्मिक स्थल की मूर्ति क्षतिग्रस्त करने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

(यंग भारत न्यूज)

उरई। कोतवाली क्षेत्र में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन की टक्कर से 65 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें मेडिकल कॉलेज उरई पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान कानपुर के कर्नलगंज निवासी परमेश्वर उर्फ बारू (65) के रूप में हुई है। बताया गया कि वह उरई में रहकर बेकरी का काम करते थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना के समय वह नशे की हालत में थे। इसी दौरान सड़क से गुजर रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को अस्पताल भेजा, जहां उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

उधारी के ढाई लाख रुपये मांगने पर विवाद, भाजपा के पूर्व जिला मीडिया प्रभारी समेत पांच पर मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उधारी के करीब ढाई लाख रुपये वापस मांगने को लेकर हुए विवाद में मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर उरई कोतवाली पुलिस ने भाजपा के पूर्व जिला मीडिया प्रभारी शक्ति गहोई समेत पांच नामजद और चार अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी तहरीर में इंद्रानगर निवासी रूपेंद्र सिंह परिहार उर्फ बीनू ने बताया कि उसकी सचिन दीक्षित से काफी समय से दोस्ती थी और दोनों के बीच रुपये का लेन-देन होता था। आरोप है कि करीब एक वर्ष पहले सचिन दीक्षित ने अपनी महिला मित्र मुस्कान दुबे की जरूरत बताते हुए रूपेंद्र से करीब ढाई लाख रुपये लिए थे और रकम वापस करने की बात कही थी। रूपेंद्र के मुताबिक उसने 1.90 लाख रुपये फोन-पे के माध्यम से तथा शेष रकम नकद दी थी। आरोप है कि करीब एक साल बाद जब रूपेंद्र ने अपनी रकम वापस मांगी तो उसे बताया गया कि रुपये सचिन दीक्षित को दिए जा चुके हैं और अब उसी से रकम मांगी जाए। तहरीर के अनुसार, कई बार संपर्क करने के बावजूद रकम वापस नहीं की गई। तहरीर के मुताबिक, 3 अगस्त की रात करीब 11 बजे रूपेंद्र ने सचिन दीक्षित को फोन कर रुपये वापस करने के लिए कहा। आरोप है कि इसके बाद उसे मच्छर चौराहा स्थित शक्ति गहोई के मकान के पास बुलाया गया। वहां शक्ति गहोई, अंशुल तिवारी, शिवम चौरसिया, आदित्य मारवाड़ी समेत चार अज्ञात लोग मौजूद थे। रूपेंद्र का आरोप है कि वहां पहुंचते ही उसके साथ गाली-गलौज की गई। रुपये वापस मांगने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। आरोप है कि इसके बाद उसके साथ लात-घूंसों, हॉकी और गुम्मों से मारपीट की गई। उसे बचाने पहुंचे उसके मित्र गगन राजपूत और शिवम सेंगर के साथ भी मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना में शिवम सेंगर के कंधे और गगन राजपूत के घायल होने की बात तहरीर में कही गई है। घटना के बाद घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए उरई जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां भी विवाद और हंगामे की स्थिति बनने का आरोप लगाया गया है। मेडिकल रिपोर्ट फाड़ने, जबरन मेडिकल कराने और रेफर लिखवाने का दबाव बनाने जैसे आरोप भी सामने आए हैं। अस्पताल में हुए विवाद का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला और चर्चा में आया। उरई कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2), 191(2), 191(3), 351(3) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पूरे प्रकरण में सामने आए तथ्यों, मेडिकल रिपोर्ट, वायरल वीडियो और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दूसरी ओर, पीड़ित ने आरोपियों से जान का खतरा बताते हुए पुलिस से सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की है।

एक माह से फटी पड़ी सड़क, नगरपालिका की लापरवाही से हादसे का खतरा

- हजारीपुरा में बीच सड़क पर आई दरार बनी मुसीबत, राहगीरों और वाहन चालकों में दहशत

-किसी भी समय हो सकता है बड़ा हादसा, क्षेत्रवासियों ने जल्द सड़क निर्माण की उठाई मांग

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। नगर पालिका परिषद उरई की लापरवाही का एक और मामला सामने आया है। नगर के मोहल्ला हजारीपुरा में नीचे घटिया के पास स्थित सीसी सड़क लगभग एक माह से बीचों-बीच फटी पड़ी है। सड़क में आई गहरी दरार के कारण राहगीरों और वाहन चालकों के लिए हादसे का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। बावजूद इसके नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों की नजर अभी तक इस समस्या पर नहीं पड़ी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर बीचों-बीच दरार होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय यह सड़क और भी खतरनाक हो जाती है, क्योंकि अंधेरे में सड़क की फटी हुई स्थिति आसानी से दिखाई नहीं देती। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सड़क के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी संबंधित जिम्मेदारों को होने के बावजूद करीब एक माह से इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो दरार और अधिक बढ़ सकती है तथा सड़क का बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो सकता है। मोहल्ले के लोगों ने नगर पालिका परिषद के जिम्मेदार अधिकारियों से तत्काल क्षतिग्रस्त सड़क की जांच कराकर निर्माण एवं मरम्मत कार्य शुरू कराने की मांग की है। साथ ही क्षेत्रवासियों ने पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष विजय चौधरी से भी मामले में हस्तक्षेप कर जल्द सड़क का निर्माण करवाए जाने की मांग की है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि पालिका प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय समय रहते सड़क की मरम्मत कराए, ताकि राहगीरों और वाहन चालकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

बारिश से प्रभावित रगौली मार्ग पर जिला प्रशासन ने दिखाई सख्ती, आवागमन के लिए तत्काल कराई अस्थायी व्यवस्था

अस्थायी वैकल्पिक मार्ग तैयार, ह्यूम पाइप की चार पंक्तियां स्थापित कर यातायात सुचारु रखने के किए गए इंतजाम

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद में विगत दो दिनों से हो रही अत्यधिक वर्षा के कारण ग्राम रगौली संपर्क मार्ग के किलोमीटर-1 पर रगौली ग्राम के समीप मलंगा नाले में अचानक जलस्तर बढ़ने से तेज जलप्रवाह के कारण निर्माणाधीन लघु सेतु के पार्श्व में डाली गई मिट्टी का कटान हो गया। इससे आवागमन आंशिक रूप से प्रभावित हुआ। स्थिति की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए मौके पर सुरक्षा एवं आवागमन की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की। निर्माणाधीन 5म5 मीटर आरसीसी लघु सेतु के कारण वाहनों के सुगम आवागमन के लिए पहले से ही सेतु के पार्श्व में ह्यूम पाइप की चार पंक्तियां स्थापित कर अस्थायी वैकल्पिक मार्ग (डायवर्जन) बनाया गया था। अत्यधिक वर्षा के कारण जलप्रवाह बढ़ने पर सुरक्षा की दृष्टि से मौके पर बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड, सुरक्षा टेप एवं बालू से भरी बोरियां लगाकर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय किए गए तथा यातायात को नियंत्रित किया गया, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। जलस्तर कम होते ही विभाग द्वारा जेसीबी एवं अन्य संसाधनों के माध्यम से मिट्टी भराव तथा डायवर्जन की मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर प्रारंभ कर दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए और अति शीघ्र डायवर्जन को दुरुस्त कर सामान्य आवागमन पूरी तरह बहाल किया जाए।मार्ग पर आवागमन सुचारु रखने के लिए ह्यूम पाइप के माध्यम से वैकल्पिक अस्थायी व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त ग्राम रगौली से मुख्य शहर को जोड़ने के लिए वर्तमान में दो वैकल्पिक कच्चे मार्ग भी उपलब्ध हैं, जिनसे सामान्य वाहनों का आवागमन संचालित हो रहा है।जिलाधिकारी के निर्देश पर संबंधित विभाग द्वारा स्थायी आरसीसी लघु सेतु के निर्माण कार्य को भी प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अत्यधिक वर्षा एवं जलप्रवाह के कारण उत्पन्न परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा तथा आवागमन की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन द्वारा संवेदनशीलता, तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ मौके की लगातार निगरानी करते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

कोतवाल की अध्यक्षता में हुआ समाधान दिवस का आयोजन

-मौके पर आई सात शिकायतो में तीन का हुआ निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली परिसर में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस दौरान क्षेत्र के विभिन्न गांवों और इलाकाई लोगो ने पहुंचकर अपनी समस्याएं पुलिस एवं संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखीं। समाधान दिवस में कुल 7 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 3 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। समाधान दिवस के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और संबंधित मामलों की जानकारी ली। जिन शिकायतों का तत्काल समाधान संभव था, उनका मौके पर ही निस्तारण कराया गया। वहीं, शेष शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक कार्रवाई करते हुए निर्धारित समय सीमा में निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि थाना समाधान दिवस में आने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए और फरियादियों को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण पुलिस की प्राथमिकता है।उन्होने का एक शिकायत के निस्तारण के लिए फरियादियो को बार-बार चक्कर न लगाना पड़े इस लिए मौके पर जाकर निरीक्षण कर शिकायतकर्ता को संतुष्ट कर उसकी समस्या का उचित समाधान करे।समाधान दिवस में पुलिस विभाग के साथ राजस्व विभाग से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कोतवाली परिसर में आए फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। पुलिस और प्रशासन की ओर से शिकायतों के निस्तारण की प्रगति पर भी नजर रखने की बात कही गई, ताकि लंबित मामलों का जल्द समाधान कराया जा सके। इस मौके पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह,वरिष्ठ उपनिरीक्षक विमलेश कुमार, खेड़ा चौकी प्रभारी शिव नारायण, सुरही चौकी प्रभारी अभिषेक कुमार, मंडी चौकी प्रभारी नीतीश कुमार,लेखपाल दिनेश कुमार,दिग्विजय सिंह, आशीष दीक्षित, इंद्रजीत सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

घर में घुसकर महिला से छेडछाड का आरोप

-शिकायत करने गए परिजनो से की मारपीट

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के एक मुहल्ले की रहने वाली एक महिला ने एक युवक पर घर में घुसकर छेड़छाड़ करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए शनिवार को पुलिस से शिकायत की है। महिला ने पुलिस को दिए अपने प्रार्थनापत्र में बताया कि घटना के बाद जब उसके परिजन आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचे तो दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। मारपीट में कई लोग घायल हुए हैं, जबकि एक व्यक्ति के पैर में फ्रैक्चर होने की बात सामने आई है।

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, 8 अगस्त की सुबह जब महिला अपने घर पर अकेली थी। आरोप है कि इसी दौरान पवन पुत्र माता प्रसाद जबरन घर में घुस आया और महिला के साथ अभद्रता व छेड़छाड़ करने लगा। शोर मचाने पर आरोपी कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गया।महिला ने घटना की जानकारी पति को दी। इसके बाद पति रवि अपने साथ विजय, अजय और रघुबीर को लेकर आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचे।तभी वहां संजू, अम्बू, माता प्रसाद समेत करीब छह अज्ञात लोगों ने गाली-गलौज करते हुए हमला कर दिया।मारपीट में रघुवीर, विजय, संजय, मिथलेशी और मालती देवी घायल हुए। तहरीर में रघुवीर के पैर में फ्रैक्चर होने का उल्लेख है। पुलिस ने दो संदिग्धों को लोगों द्वारा पकड़े जाने के बाद सुपुर्द किए जाने की बात कही गई है।वही पीड़िता ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों पर कार्रवाई, घायलों के चिकित्सीय परीक्षण और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

क्या बोले कोतवाल

इस संबंध में कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों का मेडिकल कराया जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

शराब पीकर की गाली-गलौज, पीड़ित ने पुलिस से की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परैथा निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही एक व्यक्ति पर शराब के नशे में घर पहुंचकर गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम परैथा निवासी शिव दयाल पुत्र तुलसीराम ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि 8 अगस्त की रात गांव के ही निवासी राम कुमार पुत्र हरचरन शराब के नशे में उसके घर आया।शिकायतकर्ता का आरोप है कि राम कुमार ने शिव दयाल और उसकी पत्नी के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। जब शिव दयाल ने गाली देने से मना किया तो आरोपी कथित तौर पर झगड़े पर आमादा हो गया।शिकायतकर्ता का कहना है कि राम कुमार आए दिन उसके साथ गाली-गलौज करता रहता है, जिससे वह और उसका परिवार परेशान हैं। घटना के दौरान शिव दयाल ने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। आरोप है कि पुलिस की गाड़ी मौके पर पहुंचने की जानकारी मिलते ही राम कुमार वहां से रफूचक्कर हो गया। शिकायतकर्ता ने थानाध्यक्ष से मामले की जांच कर रिपोर्ट दर्ज करने और नियमानुसार कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है।वही कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक निगवेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रार्थनापत्र की जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए।

अब जालौन से किशोरी को बहला कर भगा ले गया शोहदा

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। युवक द्वारा किशोरी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले जाने की शिकायत पीड़ित पिता ने कोतवाली में तहरीर देकर की है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी 15 वर्षीय बेटी को कुठौंद थाना क्षेत्र के ग्राम उबारी निवासी युवक बॉबी ने अपने प्रेमजाल में फंसा लिया है। कुछ दिन पूर्व वह उनकी बेटी को अपने साथ भगाकर ले जा रहा था। लेकिन उसे देख लेने पर दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। जिसमें उसने बेटी से संपर्क न रखने का वादा किया था। इसके बाद भी वह नहीं माना और दो दिन पूर्व वह उनकी बेटी को बाइक पर अपने साथ भगा ले गया। उसे बेटी को ले जाता हुआ गांव के लोगों ने देखा है। पीड़ित पिता ने बेटी की सकुशल बरामदगी की गुहार पुलिस से लगाई है। वहीं, पिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है।

थाना समाधान दिवस में डीएम-एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

- जनपद में प्राप्त 69 शिकायतों में 27 का मौके पर निस्तारण, शेष के लिए पुलिस-राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजीं

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने थाना जालौन के सभागार में आयोजित थाना समाधान दिवस में दूर-दराज से आए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना। इस दौरान थाना जालौन में कुल पांच शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से तीन शिकायतों का मौके पर ही विस्तृत निस्तारण सुनिश्चित किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं शिकायतकर्ता की संतुष्टि के आधार पर किया जाए। थाना समाधान दिवस के दौरान जनपद के समस्त थानों में कुल 69 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 27 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें गठित कर उन्हें संबंधित स्थलों पर भेजा गया। प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से चकरोड, नाली निर्माण, जलभराव एवं बरसात से संबंधित समस्याएं सामने आईं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का परीक्षण करें और शिकायतकर्ता तथा दूसरे पक्ष को भी समक्ष में बुलाकर प्रकरण का नियमानुसार समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता से फीडबैक प्राप्त किया जाए और उसकी संतुष्टि के उपरांत ही शिकायत को निस्तारित माना जाए।समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने विशेष रूप से विरासत, खतौनी में नाम की त्रुटि, हदबंदी एवं भूमि संबंधी मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व संबंधी मामलों में अनावश्यक विलंब से आमजन को परेशानी होती है, इसलिए ऐसे प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में निस्तारित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने पुलिस एवं राजस्व अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए थाना समाधान दिवस में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी राकेश सोनी, एसएचओ आदि मौजूद रहे।

थाना समाधान दिवस में 3 मामले प्रस्तुत 2 का मौके पर निस्तारण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। शनिवार को कोतवाली के एडिशनल इंस्पेक्टर अवनीश कुमार, महिला सब इंस्पेक्टर ममतेश कुमारी की मौजूदगी में प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी की अध्यक्षता में थाना दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें भूमि सम्बंधी 3 शिकायती पत्र प्रस्तुत किये गये जिसमें 2 मामलों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया।

कोतवाली कालपी के सभागार में आयोजित थाना दिवस मे अधिकारियों के समक्ष नन्द राम निवासी गण ग्राम गढ़गुवां ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया है कि प्रार्थी की भूमि की पैमाइश हो चुकी है। अभिलेखो के मुताबिक जांच की जाये। विपक्षीगण गाली गलौज करते हैं। इसी तरह लालाराम निवासी ग्राम मैनूपुर ने प्रार्थना पत्रो देकर अवगत कराया है कि दिनांक 7-8-2026 विपक्षियों ने गाली गलौज करते हुये धमकी दी कि तुम्हारी जमीन में कब्जा कर लेंगे। जसवंत सिंह यादव निवासी मुहल्ला हरीगंज ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया है कि प्रार्थी का प्लाट नम्बर 629 अभिलेखों में दर्ज है। विपक्षीगण प्रार्थी के प्लाट में जबरन कब्जा कर रहे हैं। कोतवाली के एडिशनल इंस्पेक्टर ने कहा कि राजस्व सम्बंधित मामलों को मौके पर पहुंच कर गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण किया जाये। इसमें किसी भी प्रकार की हीलाहवाली नहीं होनी चाहिए। राजस्व निरीक्षक हरेंद्र सिंह सेंगर, राजेंद्र बाबू सोनी,लेखपाल जितेंद्र कुमार, राघवेन्द्र निरंजन,विभा देवी, राहुल कुमार, कमलेश कुमार द्विवेदी,आकाश, आदर्श सिंह जादौन, विनय सिंह, पल्लवी श्रीवास्तव, राजकमल समेत विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

बसपा विधायक के निधन पर बसपाइयों ने बैठक कर ब्यक्त की शोक-संवेदना

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। बहुजन समाज पार्टी जनपद कार्यालय जालौन में बहुजन समाज पार्टी के रसड़ा विधायक स्वर्गीय उमाशंकर सिंह के लंबी बीमारी के निधन के बाद उनका निधन हुआ था आज हम लोगों ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम किया जिसमें उपस्थित मुख्य रूप से डॉक्टर बृजेश जाटव जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी,

धीरेंद्र चौधरी, बृजभूषण कुशवाहा, शैलेंद्र शर्मा, जगजीवन अहिरवार, जिला महासचिव उदयवीर दोहरी, जिला पंचायत सदस्य मनोज यादव, रामावतार यादव, नारायण हरि अवस्थी, अल्ताफ भाई, महेश कुशवाहा, जितेन दोहरी, जितेन दयाल, आदेश मंत्री, बबलू चौधरी, संजय गौतम पांचाल, अतर सिंह पाल, अमित भारती, सौरभ चौधरी आदि मौजूद रहे।

कालपी में परिवार परामर्श केंद्र का शुभारंभ, पारिवारिक विवादों के समाधान की बढ़ी उम्मीद

(यंग भारत न्यूज)

कालपी, जालौन। पारिवारिक विवादों को आपसी बातचीत, समझाइश और परामर्श के माध्यम से सुलझाने की दिशा में कालपी क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। शनिवार, 8 अगस्त 2026 को जनपद जालौन के सर्किल कालपी में नवनिर्मित परिवार परामर्श केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया गया। केंद्र का उद्घाटन उपजिलाधिकारी कालपी विनय कुमार मौर्य एवं अपर पुलिस अधीक्षक जालौन डॉ. ईशान सोनी ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जनपद में सर्किल स्तर पर एक परिवार परामर्श केंद्र स्थापित किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। शासन के निर्देशों के अनुपालन में जनपद जालौन के सर्किल कालपी में इस नवनिर्मित परिवार परामर्श केंद्र की स्थापना की गई है। परिवार परामर्श केंद्र का मुख्य उद्देश्य पारिवारिक विवादों को समय रहते बातचीत और आपसी समझ के माध्यम से सुलझाना तथा परिवारों में आपसी सौहार्द एवं सामंजस्य कायम रखने का प्रयास करना है। पति-पत्नी के विवाद, पारिवारिक मतभेद तथा अन्य संबंधित मामलों में दोनों पक्षों को सुनकर परामर्श एवं समझाइश के माध्यम से समाधान की दिशा में प्रयास किया जाएगा। उद्घाटन के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पारिवारिक मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए पीड़ित पक्षों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान उपजिलाधिकारी कालपी विनय कुमार मौर्य, क्षेत्राधिकारी कालपी सहित पुलिस एवं प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि परिवार परामर्श केंद्र के संचालन से कालपी सर्किल क्षेत्र के लोगों को पारिवारिक विवादों के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए स्थानीय स्तर पर प्रभावी मंच उपलब्ध होगा।

छात्र संसद के प्रधानमंत्री व पदाधिकारियों ने ली शपथ

लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जागरूक रहने का आह्वान

(यंग भारत न्यूज)

कालपी (जालौन)। शनिवार को विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, सदर बाजार कालपी में संस्था के अध्यक्ष एवं लोकतंत्र सेनानी रमेश तिवारी की अध्यक्षता में छात्र संसद शपथ ग्रहण समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य ने छात्र संसद के पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि विद्यालयों में छात्र संसद की व्यवस्था विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को संस्कारित एवं आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था और अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए।विद्यालय के प्रबंधक हर भूषण सिंह चौहान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि छात्र संसद विद्यार्थियों में नेतृत्व के गुण विकसित करने के साथ उन्हें जिम्मेदारी निभाने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से विद्यालय के अनुशासन और संस्कारों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुये प्रधानाचार्य देवेंद्र सिंह ने छात्र संसद की उपयोगिता एवं उसके इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल बौद्धिक विकास नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, सामाजिक जिम्मेदारी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना भी है। इस दौरान छात्र संसद के प्रधानमंत्री कृष्णा यादव तथा कन्या भारती की प्रधानमंत्री कायनात को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया गया। छात्र संसद के अन्य पदाधिकारियों ने भी शपथ ग्रहण की। कार्यक्रम में सुरेश उपाध्याय, योगेंद्र जैन, अशोक पुरवार सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं अभिभावक, रमेश चंद्र, अर्जुन प्रसाद मौर्य, रमन, सोनाली, प्रखर, रामबाबू अर्पित सोनी, पुष्पा, हुकुम, श्याम बाबू, गुड़िया राठौर, देवेंद्र कुमार वर्मा, सुमित, पुष्पा प्रजापति, अनीता देवी, मानसी प्रजापति, आरती सिंह, शिवानी, मिनी, ज्योति, दीपशिखा तथा डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब कालपी के तहसील अध्यक्ष सलीम अंसारी भी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में डीएम ने परखी स्वास्थ्य सेवाएं, जांची दवा वितरण व्यवस्था

दवा उपलब्धता की रैंडम जांच, बुजुर्ग मरीजों की विशेष देखभाल के दिए निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई जालौन। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने राजकीय मेडिकल कॉलेज का औचक निरीक्षण कर ओपीडी, दवा वितरण काउंटर, इमरजेंसी सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, दवा वितरण व्यवस्था तथा मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं का स्थलीय सत्यापन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं चिकित्सकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान ओपीडी से दवा लेकर बाहर निकल रही ग्राम भदारी, विकास खंड कोंच की मंजू देवी का जिलाधिकारी ने हालचाल जाना। उन्होंने पूछा कि चिकित्सक द्वारा लिखी गई सभी दवाएं अस्पताल से मिल गई हैं या नहीं। मंजू देवी ने बताया कि उन्हें सभी दवाएं अस्पताल से ही उपलब्ध हो गई हैं। दवा वितरण व्यवस्था की वास्तविक स्थिति परखने के लिए जिलाधिकारी ने मंजू देवी को अपने साथ लेकर स्वयं रैंडम सत्यापन किया। पहले पुरुष दवा वितरण काउंटर पर पर्ची प्रस्तुत कराई गई, जहां चिकित्सकीय पर्चे में अंकित सभी दवाएं उपलब्ध कराई गईं। इसके बाद महिला दवा वितरण काउंटर पर भी पर्ची के आधार पर जांच कराई गई, जहां भी सभी निर्धारित दवाएं उपलब्ध मिलीं। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक मरीज को चिकित्सक द्वारा लिखी गई सभी आवश्यक दवाएं अस्पताल से ही उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी भी मरीज को बाहर से दवा खरीदने की आवश्यकता न पड़े। इसके उपरांत जिलाधिकारी इमरजेंसी वार्ड पहुंचे, जहां उन्होंने लगभग 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला एवं पुरुष मरीज का हालचाल जाना और उनके उपचार की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देशित किया कि दोनों मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा उनके खान-पान, दवा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अस्पताल में भर्ती प्रत्येक मरीज के साथ संवेदनशील एवं मानवीय व्यवहार किया जाए। उन्होंने चिकित्सकों से कहा कि इन बुजुर्ग मरीजों की देखभाल अपने माता-पिता की तरह करें तथा पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के बाद ही उन्हें डिस्चार्ज किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार, समय पर दवा एवं बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दुल्हन की चुनरी से निकला खूनी सुराग... ससुराल में मचा हड़कंप, पुलिस ने खोली ऐसी पोल कि रह गए हैरान! '

(यंग भारत न्यूज)

जनपद बलिया के सुदूर गाँव रामपुर दियारा में एक ऐसी वारदात सामने आई है, जिसने पूरे इलाके की नींद उड़ा दी। नई-नई ब्याही दुल्हन की रहस्यमयी मौत ने जहाँ एक तरफ ससुराल वालों को रुला दिया, वहीं पुलिस जांच में सामने आए खुलासों ने पूरे परिवार को संदेह के घेरे में खड़ा कर दिया है।

यह कहानी है देवयानी (25) की, जिसकी शादी पिछले साल सत्येंद्र यादव (30) के साथ हुई थी। गाँव वालों की मानें तो शादी के बाद से ही देवयानी कुछ अजीब-सी रहती थी। वह अक्सर घर से बाहर निकलती, तो लोग उसे अकेले में आँखें पोंछते हुए देखते थे। पड़ोसन कमला देवी ने बताया, 'बहुत सहमी-सहमी रहती थी, जैसे कोई बात मन में दबाए हो। जब हम पूछते, तो कहती सब ठीक है। 6 अगस्त 2026 की मध्य रात्रि, गाँव में अचानक चीख पुकार मच गई। सत्येंद्र के घर से देवयानी की तेज चीखें सुनाई दीं। जब तक पड़ोसी दौड़े, देवयानी बेड पर खून से लथपथ पड़ी थी और उसकी साँसें थम चुकी थीं। परिजनों ने बताया कि देवयानी की मौत पेट में चोट लगने से हुई है। परिवार के अनुसार, देवयानी को मिर्गी की बीमारी थी और रात में दौरा पड़ने से वह गिरकर बेड के किनारे से टकरा गई, जिससे उसकी मौत हो गई। परिवार ने पंचनामा करके अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी। मामला जैसे ही पुलिस के पास पहुँचा, गाँव के चौकी इंचार्ज सुभाष यादव को कुछ अजीब लगा। देवयानी के पति सत्येंद्र और सास-ससुर का रोना-धोना ज़रूर से अभिनय जैसा लग रहा था। पुलिस ने आँख बंद करके हादसा मानने से इनकार कर दिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने जब आई तो पुलिस के होश उड़ गए। डॉक्टरों ने साफ कहा कि देवयानी की मृत्यु सिर पर किसी भारी वस्तु से किए गए कई वार के कारण हुई है। उसके सिर पर चोट के 5 से अधिक निशान थे, जो गिरने से नहीं, बल्कि जानबूझकर वार करने से बने थे। पुलिस ने जब घटना वाली रात देवयानी के पहनावे की बारीकी से जाँच की, तो उसकी चुनरी पर एक छोटा-सा फटा हुआ कागज़ का टुकड़ा चिपका मिला। यह कागज़ आधा जल चुका था, मगर उस पर जो अक्षर लिखे थे, उन्होंने पूरे मामले की दिशा ही बदल दी। पुलिस ने पूरे परिवार को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ शुरू की। जल्द ही सामने आया कि देवयानी ने अपनी सास के कहने पर ही शादी के दहेज़) की पूरी रकम ससुराल वालों को दे दी थी। अब वह और पैसे नहीं ला पा रही थी, इसी बात से नाराज़ सास-ससुर और पति ने मिलकर उसकी हत्या की योजना बनाई। पुलिस ने देवयानी की सास सुशीला देवी, ससुर बजरंगी यादव और पति सत्येंद्र यादव को दहेज हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पति सत्येंद्र पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का भी आरोप है। देवयानी के पिता रामस्वरूप ने बताया, 'हमने सोचा था कि अच्छे घर में बेटी भेज रहे हैं, लेकिन यहाँ तो उन्होंने उसे जीते-जी मार डाला। बेटी ने ज़िंदगी भर हमें नहीं बताया कि वह कितना दर्द सह रही थी।' बलिया पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (हत्या) और दहेज निषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने कहा, 'यह एक जघन्य अपराध है। हम आरोपियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने के लिए अदालत में पुख्ता सबूत पेश करेंगे।'

बुर्के में कांवड़ लेकर निकलीं मुस्लिम महिलाएं, बोलीं- संविधान देता है अपनी आस्था और परिधान की आजादी

(यंग भारत न्यूज)

श्रावण कांवड़ यात्रा के दौरान बुर्का पहनकर कांवड़ लेकर चल रहीं दो मुस्लिम महिलाओं का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। संभल निवासी तमन्ना मलिक और अनीशा बानो हरिद्वार से गंगाजल लेकर गाजियाबाद के डासना मंदिर की ओर रवाना हुई हैं।

दोनों का कहना है कि उनका उद्देश्य मुस्लिम महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना और कट्टरपंथी सोच का विरोध करना है। यात्रा के दौरान उनके साथ तमन्ना मलिक के पति अमन त्यागी और हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता भी मौजूद हैं। तमन्ना मलिक ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह मुस्लिम महिलाओं को यह संदेश देना चाहती हैं कि यदि वे अपनी इच्छा से किसी भी धर्म या आस्था के मार्ग को अपनाना चाहती हैं तो उन्हें ऐसा करने का अधिकार है। उन्होंने दावा किया कि सनातन धर्म में महिलाओं को सम्मान और स्वतंत्रता मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद का परिधान पहनने की स्वतंत्रता देता है। तमन्ना मलिक ने बुर्का पहनकर कांवड़ यात्रा करने पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए कहा कि परिधान किसी की निजी पसंद का विषय है और संविधान इसकी अनुमति देता है। उन्होंने कुछ मौलानाओं की टिप्पणियों पर भी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन पर भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस की ओर से नोटिस मिला है, जिसका उन्होंने जवाब दे दिया है। अनीशा बानो ने कहा कि उनका उद्देश्य उन महिलाओं को जागरूक करना है जो उनके अनुसार कट्टरपंथी सोच के कारण अपने अधिकारों से वंचित रहती हैं। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने और सामाजिक बंधनों का विरोध करने की अपील की। उन्होंने बताया कि वह और तमन्ना मलिक हरिद्वार से कांवड़ लेकर पैदल यात्रा कर रही हैं और 11 अगस्त को गाजियाबाद स्थित डासना मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक करेंगी। अनीशा बानो ने यह भी कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश पुलिस की सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है और यात्रा के दौरान हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता भी उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी विवाद को जन्म देना नहीं, बल्कि अपने विचार और संदेश को शांतिपूर्वक समाज के सामने रखना है।तमन्ना मलिक के पति अमन त्यागी ने कहा कि वह अपनी पत्नी की इच्छा और आस्था का सम्मान करते हुए इस यात्रा में उनके साथ चल रहे हैं। उन्होंने कुछ धार्मिक नेताओं की ओर से दिए गए बयानों पर आपत्ति जताते हुए प्रशासन से ऐसे मामलों में उचित कार्रवाई की मांग की।

इस पूरे मामले को लेकर विभिन्न पक्षों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। फिलहाल यह कांवड़ यात्रा के दौरान आस्था, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति के अधिकार को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है।

यूपी चुनाव: 'कंसवंशी डीएनए वाले अहिरों कान खोलकर सुन लों', ओपी राजभर ने सपा के 37 सांसदों की तुलना राक्षसों से की

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटे सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर का सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर हमला थमने का नाम नहीं ले रहा है. सपा और अखिलेश यादव पर हमलों की सोशल मीडिया पर सीरीज चला रहे ओपी राजभर ने इस बार यादवों को कंस का वशंज बताया है.साथ ही 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के जीते हुए 37 सांसदों की तुलना राक्षस से की है.सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख और योगी सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने शुक्रवार को अपने एक्स हैंडल पर लिखा- 'सुनिए अखिलेश यादव जी, ऐसा लगता है कि आप भगवान श्रीकृष्ण के वंशज हो ही नहीं सकते, क्योंकि उस वंश का नाश तो गांधारी के श्राप से पहले ही हो चुका है. आप लोग कृष्ण नहीं कंसवंशी हैं!' उन्होंने आगे लिखा- 'जब से आपकी पार्टी लोकसभा की 37 सीटें जीती है, आपके राक्षस मानो पागल हो चुके हैं. आप जो पीडीए के नाम पर रोज नई-नई नौटंकी और ढोंग रच रहे हैं न, उसकी नुमाइश आपके हत्यारे अहिर गुंडे सरेआम कर रहे हैं. गाजीपुर की मेरी दो मासूम बच्चियों की गलती सिर्फ इतनी थी कि वो सामंती यादवों के खेत में घास काटने चली गईं

थीं. बिटिया आंचल राजभर सिर्फ 13 साल की थी, जिसको आपके यादवों ने बेरहमी से मार डाला. दूसरी बेटी चांदनी राजभर की उम्र तो बस 12 साल है, उसे भी आपके राक्षसों ने इतना पीटा कि वो बेचारी जिंदगी और मौत के बीच झूल रही है. 'सुभासपा प्रमुख ने सपा को निशाने पर लेते हुए लिखा- 'आपके लोग इतने बेरहम हैं कि एक अति पिछड़े समाज के युवक को अमेठी में बस इसलिए मौत के घाट उतार दिये कि उसने यादव समाज की युवती से प्रेम विवाह कर लिया था. प्रेम विवाह करना पाप है क्या ? अति पिछड़े कश्यप समाज के युवक की मौत और उसकी गर्भवती यादव विधवा को लेकर आपकी जुबान से एक शब्द भी नहीं निकला. वो बेचारा तो पत्नी के साथ सुखी जीवन जी रहा था. ये भी नहीं देखा गया आप लोगों को.उन्होंने आरोप लगाया कि आपके कंसवंशी अहिर गुंडों ने उसे पहले बंधक बनाया, तिल-तिल तड़पाया, उसके गुप्तांग काटे, आंखें नोंच ली और फिर चाकू से गर्दन हलाल कर दिया. उफ़्फ़! 'सर तन से जुदा' वालों के साथ रहते-रहते आप कंस के वंशजों की बुद्धि और भी वहशी हो चुकी है. और हां... कंसवंशी डीएनए वाले अहिरों कान खोलकर सुन लो, तुम्हारी दुश्मनी ओम प्रकाश राजभर से है न! 20 गौतमपल्ली, लखनऊ में रहता हूं, तुम्हारे कंस वाले खून में दम है तो जो बिगाड़ना है बिगाड़ लेना. निर्दयी होकर मासूमों को मार के बीर-बलवान बनते हो ? ओपी राजभर ने आगे कहा कि जिस दिन राजभर, निषाद, मल्लाह, केवट, बिंद, मांझी, कश्यप, कहार, प्रजापति, कुम्हार, पाल, गड़रिया, नोनिया, तेली, लोहार, नाई, बंजारा, चौहान, माली, दर्जी, धीमर, धोबी, गोंड, वाल्मीकि, डोम, अरक, अर्कवंशी, बारी, वियार, तमेरा, शाक्य, सैनी, अहिरवार, कोइरी, फकीर, लोनिया, बाथम, तुरहा, गोडिया, मछुआ, बहेलिया, खटीक, पासी, मुसहर, नट, बांसफोर, विश्वकर्मा, चौरसिया समाज ने तुम्हारे खिलाफ मोर्चा खोल दिया न, तुम लोगों की जितनी गुंडई है उसे उतरने में 10 मिनट का टाइम भी नहीं लगेगा. जय भारत. जय श्रीराम. जय श्रीकृष्ण. नमो बुद्धाय. जय महाराजा सुहेलदेव.बता दें कि 2022 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले ओपी राजभर एनडीए को छोड़कर सपा में आ गए थे. अखिलेश यादव के साथ मिलकर चुनाव लड़ने में उनके छह विधायक जीते थे. चुनाव रिजल्ट आने के कुछ दिन बाद वह दोबारा योगी सरकार में बतौर मंत्री शामिल होकर एनडीए का हिस्सा हो गए. लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए में रहते हुए ओपी राजभर अपने बेटे को भी सांसद नहीं बना पाए. चर्चा यह भी थी कि अपने बेटे को भेजकर ओपी राजभर ने एक बार फिर से अखिलेश यादव के साथ गठबंधन में आने का प्रयास किया था, लेकिन बात नहीं बनने के बाद वह सपा पर आक्रामक रूख अपनाए हुए हैं. ओपी राजभर भले ही हर रोज अखिलेश यादव पर हमलावर हैं, लेकिन सपा की तरफ से अब तक कोई बड़ा पलटवार नहीं आया है. केवल एक बार शिवपाल यादव ने उनके बयानों पर मुस्कुराते हुए तंज कसा था.

जब सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही तब मोदी 'गद्दारों' से क्यों मिले, उद्धव ठाकरे ने पूछा-किसके लिए है डरो मत मैसेज

(यंग भारत न्यूज)

मुम्बई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी के बागी सांसदों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात को लेकर हमला बोला है। शनिवार को मातोश्री में एक प्रेस कांफ्रेंस में उद्धव ठाकरे ने पूछा कि जब सुनवाई चल रही थी, तब मोदी 'गद्दारों' से क्यों मिले ?

डरो मत' का यह मैसेज किसके लिए है? शाह, फडणवीस या कोर्ट के लिए ? पीएम मोदी ने एक दिन पहले संसद में शिवसेना यूबीटी छोड़कर शिंदे के गए सांसदों से मुलाकात की थी। अब उद्धव ठाकरे ने इस पर कटाक्ष किया। उद्धव ठाकरे की प्रेस कांफ्रेंस से पहले संजय राउत ने एक्स पर हमला बोला था। उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में शिंदे ग्रुप के 6 एमपीएस से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिलाया 'डरो मत, मैं तुम्हारे साथ हूं'। उद्धव ठाकरे ग्रुप ने इस 'ब्रेकफास्ट डिप्लोमेसी' की कड़ी आलोचना की है। उद्धव ठाकरे ने मोदी के मैसेज पर सवाल उठाते हुए सीधे पूछा कि यह धमकी अमित शाह, कोर्ट या फडणवीस को दी गई थी। उद्धव ठाकरे ने पूछा कि जब कोर्ट में सुनवाई चल रही थी, तब आप अलग हुए एमपीएस से क्यों मिले ? आप क्या मैसेज देना चाहते थे ? क्या आप इससे अमित शाह, देवेंद्र फडणवीस या कोर्ट को धमकाना चाहते थे ? उद्धव ठाकरे ने पूछा कि बंद दरवाजों के पीछे बातचीत हुई। तो यह मैसेज बाहर आने का क्या कारण है ? कौन मैसेज देना चाहता है ? उद्धव ठाकरे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के कारण शिंदे टेंशन में हैं। शिंदे पहले अमित शाह से मिलते थे। अब वह मोदी से मिल रहे हैं। जब शाह यहां होते हैं, तो वह मोदी से मिलते हैं। उद्धव ठाकरे ने पूछा कि बताना चाहिए कि यह सब किसके लिए है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मैं कोविड काल में जब फेसबुक से संवाद करता था तो मेरी आलोचना की गई लेकिन अब पीएम मोदी इंस्टाग्राम से बातच करत रहे हैं। युवाओं ने नहीं मिलते हैं। वह आधी रात को इंस्टाग्राम पर दोस्त बनकर मैसेज भेज रहे हैं। अब इंस्टाग्राम पर देश चलाने का समय आ गया है। ठाकरे ने यह बताने की कोशिश की आाखिर ऐसा क्यों। गौरतलब हो कि शिवसेना पार्टी और सिंबल पर 11 अगस्त को सुनवाई होगी। पिछली तीन से चार सुनवाई में उद्धव ठाकरे के वकील कपिल सिब्बल ने काफी कड़ी दलीलें रखी हैं।

जिसे लोग डॉक्टर समझते रहे, वो निकला 28 साल से फरार कातिल! गिरफ्तारी के बाद खुला ऐसा राज कि सब सन्न रह गए

(यंग भारत न्यूज)

कभी लोगों के बीच सम्मानित 'डॉक्टर' के रूप में पहचान, मरीजों की सेवा, परिवार के साथ सामान्य जीवन और समाज में एक जिम्मेदार नागरिक की छवि... लेकिन इस शांत चेहरे के पीछे ऐसा अतीत छिपा था जिसकी तलाश पुलिस करीब 28 वर्षों से कर रही थी।

आखिरकार दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने उस शख्स को गिरफ्तार कर लिया, जिसने नई पहचान बनाकर कानून को लगभग तीन दशक तक चुनौती दी। गिरफ्तारी के बाद सामने आई कहानी किसी अपराध-आधारित फिल्म की पटकथा जैसी लगती है, लेकिन यह पूरी तरह वास्तविक मामला है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुरेश बैरागी उर्फ राजेंद्र सिंह यादव के रूप में हुई है। उसकी उम्र 53 वर्ष बताई गई है। वह हरियाणा में पुलिस कांस्टेबल की हत्या, दिल्ली में हत्या के प्रयास के दो मामलों और पुलिस हिरासत से फरार होने जैसे गंभीर आरोपों में लंबे समय से वांछित था।दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक सुरेश बैरागी वर्ष 1998 से लगातार कानून की गिरफ्त से बाहर था। इस दौरान उसने अपना नाम, पहचान और पूरा जीवन बदल लिया। उसने ऐसे दस्तावेज तैयार करा लिए जिनसे वह पूरी तरह एक नया व्यक्ति दिखाई देता था। करीब 28 वर्षों तक पुलिस को उसकी कोई ठोस जानकारी नहीं मिल सकी। हालांकि पुराने मामलों की दोबारा जांच के दौरान कुछ ऐसे सुराग मिले, जिन्होंने पुलिस को धीरे-धीरे आरोपी तक पहुंचा दिया। पुलिस का कहना है कि यह गिरफ्तारी लंबे समय तक चली तकनीकी जांच, फील्ड इंटेलिजेंस और लगातार निगरानी का परिणाम है।पुलिस जांच में सामने आया कि सुरेश बैरागी मूल रूप से हरियाणा का रहने वाला था और युवावस्था में कबड्डी खिलाड़ी के रूप में जाना जाता था। लेकिन 1990 के दशक के आखिर में उसका नाम आपराधिक गतिविधियों से जुड़ने लगा। धीरे-धीरे उसके खिलाफ चोरी, मारपीट, हत्या के प्रयास और अन्य गंभीर अपराधों के मामले दर्ज होते गए। इसके बाद वह पुलिस के रिकॉर्ड में एक वांछित अपराधी बन गया। बताया जाता है कि हरियाणा के सोनीपत में एक शादी समारोह के दौरान किसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि सुरेश बैरागी और उसके साथियों ने मौके पर गोलीबारी कर दी। इस गोलीबारी में हरियाणा पुलिस के कांस्टेबल जय भगवान की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद पुलिस ने हत्या सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया और आरोपी की तलाश शुरू कर दी। हत्या के मामले में गिरफ्तार होने के बाद सुरेश बैरागी को अदालत में पेश करने के लिए ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार 14 फरवरी 1999 को उत्तर प्रदेश पुलिस उसे गाजियाबाद जेल से सोनीपत कोर्ट लेकर जा रही थी। इसी दौरान गन्नौर रेलवे स्टेशन के पास उसने पुलिस को चकमा देकर फरार होने में सफलता हासिल कर ली।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी से विभिन्न मामलों में पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि फरारी के दौरान उसने किन-किन दस्तावेजों का इस्तेमाल किया, नई पहचान कैसे बनाई और क्या इस प्रक्रिया में किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका रही।साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि उसने वर्षों तक चिकित्सा संबंधी गतिविधियां किस आधार पर संचालित कीं

आर्मी ट्रेनिंग कॉलेज में युवतियों के साथ होता था 'गंदा काम' पॉडकास्ट में 4 युवतियों ने किया सनसनीखेज दावा

(यंग भारत न्यूज)

ब्रिटेन में किशोरों के लिए बने एक आर्मी ट्रेनिंग कॉलेज की पुलिस जांच हो रही है. 4 युवतियों ने आरोप लगाया है कि दूसरे सैनिकों ने उनका शोषण किया है. युवतियों का कहना है कि पिछले 5 सालों के दौरान आर्मी फ़ाउंडेशन कॉलेज में उनके साथ शोषण या दुष्कर्म हुआ, जब वो सभी 17 साल की थीं.

बीबीसी ने हैरोगेट (नॉर्थ यॉर्कशायर) में स्थित इस कॉलेज में युवतियों के अनुभवों की रिपोर्ट दी. यह कॉलेज 19 साल से कम उम्र के लोगों को मिलिट्री ट्रेनिंग और शिक्षा देता है. एक युवती ने बताया कि वह हमेशा से सैनिक बनना चाहती थी, लेकिन उसका सपना तब टूट गया जब कई साथी सैनिकों ने उसका दुष्कर्म किया. बीबीसी को अपनी पहचान छिपाने के लिए 'टिली' नाम से बताई गई युवती ने कहा कि उन्होंने मुझसे पूछा, क्या तुम कमरे में आना चाहती हो ? और 17 साल की भोली-भाली लड़की होने के नाते मैंने कहा, हां, ठीक है. उसने आगे बताया कि कमरे में जाने के बाद उन्होंने मेरे कपड़े उतारने शुरू कर दिए और फिर ऐसी हरकतें करने लगे जिनके लिए मैंने कभी मंजूरी नहीं दी थी.कमरे में बहुत सारे लोग थे. उन्होंने मुझे गलत जगहों पर छुआ, भद्दी बातें कहीं और मुझे लड़की के बजाय एक चीज़ समझा. दुष्कर्म को लेकर युवती ने बताया कि उसे लगा जैसे वह मांस का कोई टुकड़ा हो. युवतियों का कहना है कि पिछले 5 वर्षों के दौरान आर्मी फाउंडेशन कॉलेज में उनके साथ शोषण या दुष्कर्म हुआ है. इससे यानी हमले के दो हफ़्ते बाद टिली नाम की युवती ने सेना छोड़ दी. जिन 4 युवतियों ने ब्रॉडकास्टर को अपने साथ हुए कथित शोषण की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि आर्मी कॉलेज में महिलाओं के प्रति नफरत और हिंसा का माहौल था. एक अन्य युवती ने बताया कि एक साथी सैनिक ने उसे एक कमरे में फंसा लिया और उस पर हमला किया. जब उसने सहमति नहीं दी, तो उसने उसके चेहरे पर ज़बरदस्तीचद्वह्यह्य किया. एक और महिला ने कहा कि कॉलेज के स्टाफ़ की सोच युवतियों के प्रति नफ़रत भरी थी. इंस्ट्रक्टर युवती सैनिकों के लुक्स (दिखावट) को 10 में से नंबर देते थे. पिछी रात नॉर्थ यॉर्कशायर पुलिस ने कहा कि हैरोगेट स्थित आर्मी फ़ाउंडेशन कॉलेज में यौन शोषण की खबरें बेहद परेशान करने वाली हैं. नॉर्थ यॉर्कशायर पुलिस युवा पीड़ितों और उनके परिवारों को संवेदनशीलता के साथ सहयोग दे रही है और दोषियों को सज़ा दिलाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है. हम पीड़ितों को प्रोत्साहित करते हैं कि वे पुलिस के पास आएं और आसानी से उपलब्ध विशेष सहायता लें, चाहे घटना कितनी भी पुरानी क्यों न हो. सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं में अस्वीकार्य और आपराधिक व्यवहार के लिए बिल्कुल भी जगह नहीं है. लोग शानदार करियर की उम्मीद में सेना में शामिल होते हैं. ऐसी कोई भी रिपोर्ट अस्वीकार्य है और सेना जिन मूल्यों के लिए खड़ी है. यह उनके पूरी तरह से ख़िलाफ़ है.

यूपी की इस सीट पर 315 वोट से जीती थी बीजेपी, एसआईआर बदलेगा 2027 में गेम? सपा की राह भी नहीं आसान

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं. यहां के सहारनपुर जिले में 7 विधानसभा सीटें हैं. उत्तर प्रदेश की विधानसभा संख्या में दूसरे नंबर की सीट नकुड़ विधानसभा आती है.

नकुड़ विधानसभा सहारनपुर जिले में आती है और कैराना लोकसभा का हिस्सा है. साल 2022 के विधानसभा चुनाव में नकुड़ विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के मुकेश चौधरी चुनाव जीते थे. समाजवादी पार्टी ने धर्म सिंह सैनी को टिकट दिया था, जो कि बीजेपी छोड़कर चुनाव से ठीक पहले सपा में शामिल हुए थे. बहुजन समाज पार्टी ने साहिल खान और कांग्रेस ने रणधीर सिंह को चुनाव लड़ाया था. 2022 में सपा और राष्ट्रीय लोकदल साथ में थे. सबसे पहले बात एसआईआर के असर की. सहारनपुर जिले की नकुड़ विधानसभा सीट पर विशेष गहन पुनरीक्षण से पहले कुल 3 लाख 60 हजार 523 मतदाता थे. एसआईआर के बाद मतदाताओं की संख्या घटकर 3 लाख 35 हजार 622 रह गई. इस तरह पुनरीक्षण के बाद कुल 24 हजार 901 मतदाताओं की कमी दर्ज की गई थी. अब बात करते हैं साल 2022 के चुनाव परिणामों की . नकुड़ में साल 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को 1 लाख 4 हजार114, सपा-1 लाख 3 हजार 799, बीएसपी- 55 हजार 112, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन - 3 हजार 593 और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 1 हजार 354 वोट मिले थे. साल 2022 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने नकुड़ सीट पर जीत दर्ज की थी, लेकिन बीजेपी के जीत का अंतर महज 315 वोटों का था. यानी नकुड़ सीट पर बीजेपी और सपा के बीच आखिरी राउंड तक जमकर लड़ाई होती रही. बीजेपी ने नकुड़ में गुर्जर समाज के मुकेश चौधरी को टिकट दिया था तो सपा ने ओबीसी समाज से धर्म सिंह सैनी को चुनावी मैदान में उतारा था. यहां यह भी जानना जरूरी है कि साल 2022 के विधानसभा चुनाव से साल 2024 के लोकसभा चुनाव तक नकुड़

विधानसभा में क्या बदलाव आया ? यह जानने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव में नकुड़ विधानसभा सीट पर किस पार्टी को कितने वोट मिले, यह जानना भी जरूरी है.

2024 लोकसभा चुनाव में नकुड़ विधानसभा की बात करें तो यहां सपा-कांग्रेस गठबंधन को 1 लाख 26 हजार 320, बीजेपी-आरएलडी गठबंधन को 92 हजार 529 और बीएसपी को 31 हजार 16 वोट मिले थे. यानी साल 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस गठबंधन नकुड़ सीट पर 33,791 वोटों से आगे रहे. साल 2024 के लोकसभा चुनाव में कैराना लोकसभा सीट से सपा-कांग्रेस गठबंधन से इकरा हसन, बीजेपी से प्रदीप कुमार और बसपा से श्रीपाल चुनावी मैदान में थे. साल 2022 में बीजेपी इस सीट पर 315 वोटों से जीती और 2024 लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन नकुड़ सीट पर 33 हजार 791 वोटों से आगे रही. यानी सपा-कांग्रेस ने साल 2022 के मुकाबले साल 2024 में नकुड़ सीट पर अच्छे मार्जिन से जीत हासिल की. साल 2022 में सपा और कांग्रेस का गठबंधन नहीं था. साल 2022 में सपा और रालोद एक साथ चुनाव लड़े थे. कांग्रेस और बसपा दोनों ही अकेले चुनावी मैदान में थे. जबकि 2024 लोकसभा चुनाव में सपा और कांग्रेस का गठबंधन हुआ. बीजेपी और आरएलडी ने भी साथ मिलकर चुनाव लड़ा. बसपा इस बार भी अकेले चुनावी मैदान में थी. साल 2022 के चुनावी आंकड़े तो बीजेपी के लिए औसतन बेहतर थे, लड़ाई बेहद कांटे की थी. लेकिन 2024 के चुनावी आंकड़े नकुड़ विधानसभा सीट पर बीजेपी के लिए चिंताजनक दिखाई देते हैं. नकुड़ मुस्लिम और एससी बाहुल्य सीट है. इस सीट पर ओबीसी मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं. पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों का वोट यहां अच्छी खासी संख्या में है. एसआईआर के बाद नकुड़ सीट पर 24,901 मतदाता घटे हैं. नकुड़ सीट पर बीजेपी आमतौर पर गुर्जर समाज के ही प्रत्याशी को चुनावी मैदान में उतारती रही है. सपा इस सीट पर इस बार किस समाज के प्रत्याशी को टिकट देती है, यह भी देखने वाली बात होगी क्योंकि धर्म सिंह सैनी एक बार फिर बीजेपी में वापसी कर चुके हैं. इस सीट पर एससी समाज का वोट सबसे निर्णायक होगा.

प्रज्ञानानंदा का शानदार प्रदर्शन, जीता अपना पहला सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज का खिताब

20 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने 23.5 अंक के साथ जीता टूर्नामेंट

।सेंट लुई

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एक राउंड शेष रहते ही अपना पहला सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इस 20 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने कुल 23.5 अंक के साथ खिताब अपने नाम किया। उन्होंने अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी तथा विश्व चैंपियनशिप के चक्र के दावेदारों में से एक उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव को पर्याप्त अंतर से पीछे छोड़ा।

प्रज्ञानानंद ने ग्रैंड शतरंज टूर के आखिरी रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के अंतिम दिन एक भी मैच नहीं गंवाया। उन्होंने ग्रैंड शतरंज टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जिससे इस साल के अंत में होने वाले ग्रैंड फाइनल में उनकी जगह लगभग पक्की हो गई है। इस भारतीय खिलाड़ी को अब क्लासिकल प्रणाली के तहत खेले जाने वाले सत्र के आखिरी टूर्नामेंट में भी अपनी यही फॉर्म बरकरार रखनी होगी।

10 साल के कपिल ने हासिल किया दूसरा आईएम नॉर्म

नई दिल्ली। भारत के दस वर्षीय अतीत कपिल ने ओडिशा में रुचिर जोशी इंटरनेशनल शतरंज टूर्नामेंट में एक राउंड शेष रहते हुए अपना दूसरा इंटरनेशनल मास्टर (आईएम) नॉर्म हासिल किया। अतीत के आईएम विपिन मलूनिया और कुण्वरिया के विवेकानंद मोहंतिया के खिलाफ शानदार जीत से शुरुआत करते हुए अतीत ने कुण्वरिया के ग्रैंडमास्टर राकेशनाथ दिलीप घोष को भी हराया। उन्होंने आगले चार राउंड ड्रॉ खेलकर अपना दूसरा आईएम नॉर्म सुनिश्चित किया। अतीत अब इंटरनेशनल मास्टर बनने से सिर्फ एक नॉर्म दूर हैं वह अगले महीने 11 साल के हो जाएंगे। पिछले साल नॉर्वे के विश्व नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के साथ ड्रॉ खेलने वाले इस युवा भारतीय खिलाड़ी ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी क्षमता साबित की। अभी वह टूर्नामेंट आठ में से 5.5 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं।

ईस्पोर्ट्स विश्व कप : 4 भारतीय ग्रैंडमास्टर आजमाएंगे भाग्य

पेरिस। भारतीय ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन, अरविंद चिदंबरम, प्रणेश एम और अर्जुन एरिगेसी 11 से 15 अगस्त तक यहां होने वाले ईस्पोर्ट्स विश्व कप की शतरंज प्रतियोगिता में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन सहित कई मजबूत प्रतिद्वंद्वियों का सामना करेंगे। निहाल, अरविंद और प्रणेश ईस्पोर्ट्स और नैतिक कंटेंट की दिग्गज कंपनी एसएसयूएल ईस्पोर्ट्स का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी जेन जी ईस्पोर्ट्स की तरफ से अपना भाग्य आजमाएंगे। यह चारों भारतीय खिलाड़ी मौजूदा चैंपियन कार्लसन (टीम लिक्विड) के नेतृत्व वाले एक विशिष्ट समूह के खिलाफ 15 लाख अमेरिकी डॉलर (14.2 करोड़ रुपए) के पुरस्कार पूल में हिस्सेदारी हासिल करने की कोशिश करेंगे।

- 11 से 15 अगस्त तक पेरिस में टूर्नामेंट

खबर संक्षेप

अरिहा पंगंबम ने जीता स्वर्ण पदक, बनीं पहली भारतीय

नई दिल्ली। अरिहा पंगंबम एरोबिक जिम्नास्टिक्स एशियाई चैंपियनशिप की सीनियर महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई है। भारतीय जिम्नास्ट ने फाइनल में 19.100 के स्कोर के साथ पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया और इस प्रतियोगिता में भारत का पहला स्वर्ण पदक जीता। अरिहा ने 'आर्टिस्ट्री' के लिए 8.650, 'एक्जीक्यूशन' के लिए 7.600 और 'डिफिकल्टी' के लिए 2.850 अंक हासिल करके खिताब अपने नाम किया। भारतीय जिम्नास्टिक महासंघ के अध्यक्ष सुधीर मित्तल ने कहा, 'हमारे लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। उन्हें और उनके कोच को बधाई।'

यूबीएस एथलेटिक्स किड्स कप के सह-मालिक बने नीरज

नई दिल्ली। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा यूबीएस एथलेटिक्स किड्स कप के सह-मालिक बन गए हैं। चोपड़ा पिछले दो सत्र से बच्चों से जुड़े इस कार्यक्रम के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी काम कर चुके हैं। यूबीएस एथलेटिक्स किड्स कप जमीनी स्तर की उन पहल में से एक है, जिसका उद्देश्य बच्चों को मनोरंजक, समावेशी और सुलभ प्रतियोगिताओं के माध्यम से खेलों से परिचित कराना है। इसने पांच शहरों के 2,500 से अधिक स्कूलों में 250,000 से अधिक बच्चों को इस पहल से जोड़ा है। चोपड़ा ने कहा, 'पिछले दो सत्र में मैंने देखा है कि यूबीएस एथलेटिक्स किड्स कप ने विभिन्न स्कूलों के बच्चों पर कितना प्रभाव डाला है। प्रत्येक बच्चे को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलना चाहिए। हमारा लक्ष्य दस लाख बच्चों तक पहुंचना और युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करना है।'

ईटीपीएल में एम्स्टर्डम फ्लेम्स से जुड़े रहाणे

बेंगलुरु। भारत के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे बतौर 'मार्की' खिलाड़ी शुरुआती यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में एम्स्टर्डम फ्लेम्स टीम से जुड़ गए। रहाणे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा वाले दिन ही उन्हें यह पेशकश हुई और वह इसके जरिए वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ना चाहते हैं। यह टूर्नामेंट 26 अगस्त से 20 सितंबर तक आयरलैंड के डबलिन और नीदरलैंड के 'द हेग' में खेला जाएगा। रहाणे ने कहा, 'यह मेरे लिए शानदार मौका है। जब मैंने संन्यास की घोषणा की, उसी दिन मुझे यह पेशकश मिली।'

कैनेडियन ओपन: सबालेंका ने शुआई झांग को दी मात, पहुंचीं अंतिम 16 में

हार्ड कोर्ट पर सबालेंका का दबदबा सबसे तेज 25 जीत का कारनामा

आर्यना ने की सेरेना के 10 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी

टोरंटो

दुनिया की नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने चीन की प्लेयर शुआई झांग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराकर कैनेडियन ओपन के अंतिम 16 में जगह बना ली है। इस जीत के साथ सबालेंका का इस सीजन में हार्ड कोर्ट पर रिकॉर्ड 25-1 हो गया है। वह 2016 में सेरेना विलियम्स के बाद एक सीजन में हार्ड कोर्ट पर सबसे कम समय में 25 जीत हासिल करने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। डब्ल्यूटीए टूर पर झांग के खिलाफ उनका रिकॉर्ड अब 5-1 का हो गया है। उन्होंने झांग के खिलाफ अपने पिछले पांचों मैच सीधे सेटों में जीते हैं। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को हार का कोई खास खतरा नहीं दिखा, लेकिन झांग ने उन्हें पूरे मैच के दौरान दबाव में रखा।

सबालेंका को करना पड़ा ब्रेक प्वाइंट का सामना

सबालेंका को आखिरी गेम में एक ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने शानदार बचाव किया और लगातार तीन प्वाइंट जीतकर सीधे सेटों में जीत दर्ज की। सबालेंका का अगला मुकाबला 16वीं वरीयता प्राप्त रूसी प्लेयर एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा से होगा। अलेक्जेंड्रोवा के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में उन्हें 5-4 की मामूली बढ़त हासिल है।

पेगुला ने अंतिम 16 का कटाया टिकट

वहीं, दो बार की चैंपियन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने बारिश के कारण देरी से शुरू हुए मैच में रूसी उज्बेकिस्तानी टेनिस खिलाड़ी कामिला राखिमोवा को 6-4, 6-0 से हराकर अंतिम 16 का टिकट कटाया। ओंटारियो की राजधानी टोरंटो में पेगुला का यह तीसरे राउंड का मैच चार दिनों में उनका तीसरा मुकाबला था और उन्हें आराम का एकमात्र दिन यात्रा के लिए मिला था। हालांकि, कम तैयारी के बावजूद अमेरिकी खिलाड़ी ने सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान दिया। 32 वर्षीय पेगुला का अगला मुकाबला डायना श्नाइडर से होगा। उन्होंने एक हफ्ते पहले वाशिंगटन ओपन के सेमीफाइनल में श्नाइडर को शिकस्त दी थी।

अमांडा की शानदार वापसी

दूसरी ओर, लननाना तारूडी से दूसरे राउंड में वॉकओवर मिलने के बाद, आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को लय में आने में थोड़ा समय लगा, लेकिन उन्होंने निकोला बार्टुंकोवा के खिलाफ 1 घंटे 59 मिनट तक चले मुकाबले में 3-6, 6-0, 6-4 से शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की।

गोल्फ

खालिन के शानदार 9 शॉट जीता जेएंडके ओपन गोल्फ

श्रीनगर

खालिन जोशी ने 5 अंडर 66 का कार्ड खेलकर खूबसूरत रॉयल स्प्रिंग्स गोल्फ कोर्स में 1 करोड़ पुरस्कार राशि के जेएंडके ओपन में 9 शॉट से शानदार जीत दर्ज की। बेंगलुरु के 33 वर्षीय गोल्फर ने 63, 66, 65 और 66 के कार्ड खेले, जिससे टूर्नामेंट में उनका कुल स्कोर 24-अंडर 260 रहा। इससे वह अपना आठवां पेशेवर खिताब और 2026 डीपी विश्व पीजीटीआई सत्र में दूसरी जीत दर्ज करने में सफल रहे। जोशी को इस खिताबी जीत से 15 लाख रुपए की पुरस्कार राशि मिली और इसकी बदौलत वह 5 पायदान के फायदे से डीपी विश्व पीजीटीआई रैंकिंग में 13वें से 8वें स्थान पर पहुंच गए। इससे इस सत्र में उनकी कुल कमाई 34,85,575 रुपए हो गई।

दिल्ली के राशिद खान रहे उप विजेता

दिल्ली के राशिद खान (68-68-64-69) उप विजेता रहे जबकि पंजाब के शुभम जगलान (70-68-66-66) तीसरे स्थान पर रहे। डीपी विश्व पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष पर चल रहे सप्तक तलवार (69-71-65-70) संयुक्त पांचवें स्थान पर रहे। तलवार ने सत्र की रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान मजबूत किया और साल की अपनी कमाई 8253334 रुपए कर ली।

वार्मअप मैच

श्रीलंका इलेवन ने एक दिन में ठोके 363 रन

कोलंबो

भारत के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच के पहले दिन श्रीलंका ने पहली पारी में 8 विकेट पर 363 रन बनाए।

श्रीलंका के युवा बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों को दबाव में ला दिया लेकिन कुलदीप यादव की अगुवाई में स्पिनरों ने आखिरी सत्र में वापसी की। मैच को प्रथम श्रेणी दर्जा हासिल नहीं है लिहाजा हर टीम को पहले और दूसरे दिन 90 ओवर और आखिरी दिन 45-45 ओवर मिलेंगे। पहले दिन ऑफ स्पिनर हर्ष दुबे/सारांश जैन ने 11 ओवर में 54 रन दिए लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिले। कुलदीप ने 18 ओवर में 76 रन देकर 2 विकेट लिए, जबकि मानव सुथार ने 11 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट चटकाया। रविंद्र जडेजा ने 15 ओवर में 64 रन देकर 2 विकेट लिए।

गेंदबाजों को लय में आने में लगा समय

पांच सप्ताह बाद लाल गेंद से खेल रहे तेज गेंदबाजों को लय में आने में समय लगा जबकि स्पिनर भी खतरनाक नहीं दिख रहे थे। लय में दिख रहे कुलदीप के आने के बाद तस्वीर बदली। पहले दिन का खेल श्रीलंका के युवा बल्लेबाजों के नाम रहा। सलामी बल्लेबाज विशान फर्नांडो (65 गेंद में 66 रन) ने भारत के सीनियर तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज (13 ओवर में 44 रन) और प्रसिद्ध कृष्णा (आठ ओवर में 32 रन) की धज्जियां उड़ाईं। फर्नांडो ने रविंदु रत्नायके (143 गेंद में 71 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी की। फर्नांडो एक लापरवाही के कारण रन आउट हो गए। सोनल दिनुशा (72 गेंद में 52 रन) ने उम्दा तकनीक का प्रदर्शन करते हुए अर्धशतक बनाया। उन्होंने कुलदीप को एक छक्का भी जड़ा। रमेश मेंडिस ने 49 गेंद में 32 रन जोड़े।

ईरान की दो महिला फुटबॉलर बनीं ऑस्ट्रेलिया की नागरिक

मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया ने इस साल मार्च में शरण मांगने वाली ईरान की दो महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को नागरिकता प्रदान कर दी है। फातिमेह पसंदिदेह और अतेफेह रमेजानीसादेह ने कहा कि आव्रजन मंत्री टोनी बर्क ने उन्हें ऑस्ट्रेलियाई गृह नगर ब्रिस्बेन में नागरिकता समारोह में शपथ दिलाई थी। स्थानीय ईरानी समुदाय के लोगों ने इस समारोह में भाग लिया।

रमेजानीसादेह ने कहा, 'कल का दिन मेरे लिए सचमुच बहुत खास और अविस्मरणीय था। ऑस्ट्रेलियाई नागरिक बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने मुझे अपना जीवन और भविष्य बनाने का अवसर दिया है।' पसंदिदेह ने कहा, 'यह दिन मेरे जीवन के सबसे खुशी भरे दिनों में से एक था। ऑस्ट्रेलियाई नागरिक बनकर मुझे बेहद गर्व और खुशी हो रही है। हमने जो कुछ भी झेला है और जिन चुनौतियों का सामना किया है, उसके बाद यह पल मेरे लिए शब्दों से परे है।'

2032 तक रियाल मैड्रिड के लिए खेलेंगे फुटबॉलर विनीसियस जूनियर

मैड्रिड

ब्राजील के स्टार विनीसियस जूनियर ने रियाल मैड्रिड के साथ अनुबंध बढ़ाने पर सहमति जताई है और वह जून 2032 तक स्पेनिश क्लब में बने रहेंगे। क्लब ने यह घोषणा की। 26 वर्षीय विंगर अपने मौजूदा अनुबंध के अंतिम वर्ष में प्रवेश कर चुके थे और खबरों के अनुसार प्रीमियर लीग चैंपियन आर्सेनल ने उनमें दिलचस्पी दिखाई थी। विनीसियस ने 18 साल की उम्र में मैड्रिड में शामिल होने के बाद से 375 मैचों में 128 गोल किए हैं और क्लब को 14 खिताब जीतने में मदद की है, जिसमें तीन बार ला लीगा और दो बार चैंपियंस लीग का खिताब शामिल है। क्लब ने कहा, 'विनीसियस जूनियर हमारे इतिहास के सबसे सफल दौर में से एक के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक रहे हैं।' अनुबंध विस्तार की वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया गया। विनीसियस ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'बर्नाबेउ में 8 साल बहुत कम हैं। छह और साल और हमेशा के लिए।'

विनीसियस ने क्लब के साथ बढ़ाया अनुबंध

विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप: 17 से 23 अगस्त तक होगा टूर्नामेंट

भारत 17 साल बाद करेगा मेजबानी, 4 शटलर करेंगे डेब्यू

नई दिल्ली

आयुष शेट्टी का शुरू से एक सपना था, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में खेलना। अब इस 21 वर्षीय खिलाड़ी का यह सपना साकार होने जा रहा है। भारत 17 साल के अंतराल के बाद 17 से 23 अगस्त के बीच इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली में विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप की मेजबानी करने के लिए तैयार है।

इस प्रतियोगिता में भारत के 4 खिलाड़ी पहली बार अपना भाग्य आजमाएंगे। इन खिलाड़ियों में कर्नाटक के आयुष शामिल हैं। उनके अलावा उन्नति हुड्डा तथा महिला युगल की जोड़ी सिमरन सिंघी और कविप्रिया सेल्वम भी पहली बार विश्व चैंपियनशिप में खेलेंगे।

आयुष को मिला कठिन ड्रॉ

आयुष ने कहा, 'विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करना और वह भी तब जब भारत 17 साल बाद इसकी मेजबानी कर रहा है। इसलिए यह विशेष है।' आयुष को हालांकि कठिन ड्रॉ मिला है, क्योंकि पुरुष एकल के पहले दौर में उनका मुकाबला मौजूदा चैंपियन और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी चीन के शी यू ची से होगा। आयुष ने कहा, 'विश्व चैंपियनशिप उन टूर्नामेंटों में से एक था, जिन्हें मैं बचपन से ही देखने के लिए उत्सुक रहता था। हर युवा बैडमिंटन खिलाड़ी की तरह मैंने भी एक दिन विश्व चैंपियनशिप में खेलने का सपना देखा था। मैं इस अवसर का पूरा फायदा उठाना चाहता हूं।'

पहले दौर में उन्नति का मुकाबला थुजार से

जहां तक उन्नति का सवाल है तो उन्होंने 17 साल की उम्र में ही खुद को भारत की सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक के रूप में स्थापित कर लिया है। विश्व चैंपियनशिप के पहले दौर में उनका मुकाबला म्यांमार की थेट हटार थुजार से होगा। उन्नति ने कहा, 'यह मेरे करियर के सबसे बड़े पलों में से एक है। पहली बार विश्व चैंपियनशिप में खेलना मेरा लक्ष्य है, जिसके लिए मैंने लंबे समय से मेहनत की है। भारत में यह अवसर मिलना इसे और भी खास बनाता है। मैं इस प्रतियोगिता में खेलने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।'

सिमरन और कविप्रिया की जोड़ी से उम्मीदें

महिला युगल में सिमरन और कविप्रिया बहुत चर्चित नाम नहीं है लेकिन इन दोनों ने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत को इस जोड़ी से काफी उम्मीद है। सिमरन और कविप्रिया स्पेन की निकोल कारुल्ला और कारमेन मारिया जिमेनेज के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। स्वाभाविक रूप से सबकी निगाहें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी पर टिकी रहेंगी।

रोमांटिक -स्पाई के बाद अब हॉरर फिल्म बनाएगा यशराज बैनर

मुंबई। अभिनेता वरुण धवन जल्द ही यशराज बैनर के साथ दूसरी बार काम करने वाले हैं। खास बात यह है कि अपनी रोमांटिक फिल्मों और स्पाई-थ्रिलर यूनिवर्स के लिए पहचाना जाने वाला यशराज बैनर अब पहली बार हॉरर फिल्म बनाने वाला है। इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के मुताबिक यह फिल्म 2027 में रिलीज होगी। इसके जरिए यशराज पहली बार हॉरर जॉनर में कदम रखेगा। इससे पहले बैनर ने स्पाई समेत लगभग हर जॉनर में फिल्म बनाई है। फिल्म में लीड रोल के लिए वरुण धवन को कास्ट किया गया है। सूत्रों के मुताबिक इस फिल्म का निर्देशन अभय पन्नू करेंगे। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। अभय पन्नू इससे पहले मशहूर सीरीज 'रॉकेट बॉयज' का भी निर्देशन कर चुके हैं।

लाइफ Style

काजल
आउटसाइडर कहे जाने पर छलका दर्द

भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उनका दर्द छलका है और वह इसलिए, क्योंकि उन्हें 'आउटसाइडर' कहा जाता है। भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी भोजपुरी सिनेमा जगत का चर्चित नाम हैं। उन्होंने 80 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम किया है।

नई दिल्ली

फिलहाल वे रियलिटी शो 'भोजपुरी बवाल' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने ऐसे लोगों को जवाब दिया है, जो उन पर आरोप लगाते हैं कि वे खुद को 'गुजराती' और 'आउटसाइडर' बताकर काम मांगती हैं। काजल राघवानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया कि आखिर किसने उन्हें 'आउटसाइडर' कहा है? मगर, एक लंबा नोट लिखकर जवाब दिया है। उनका दर्द इस बात को लेकर छलका है कि कुछ लोग उन पर यह आरोप लगाते हैं कि वे आउटसाइडर होने का विक्टिम कार्ड प्ले करती हैं। साझा किए गए पोस्ट में काजल लिखती हैं, 'मैं गुजराती हूं। मैं बाहरी हूं। मैं रो-रोकर काम मांगती हूं या सहानुभूति ले रही हूं। दर्शकों से ये जितना मैंने नहीं बोला, उससे ज्यादा मुझे सुनाया गया या कुछ दिनों में महसूस करवाया गया उसके लिए बस इतना कहूंगी कि अगर मैंने कहीं बोला है तो ये कहा है ये मेरी कर्म भूमि है या मैं हमेशा प्रयास करूंगी इस इंडस्ट्री का या उन जनता का, जिसने मुझे इतना प्यार देकर यहां तक पहुंचाया। मुझे लगता है कि मैं यहीं की हूं। यहां हर चीज अपनी है'।

हॉलीवुड मसाला

फिल्म ब्लूफ्लाई में आएंगी नजर

लॉस एंजिल्स। प्रियंका चोपड़ा जोनस और ऑस्कर विजेता अभिनेता निकोलस रसेल को एक साथ फिल्म 'ब्लूफ्लाई' में नजर आएंगे। यह एक साइंस फिक्शन एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। इस फिल्म को हॉलीवुड के चर्चित फिल्म डायरेक्टर ब्लॉकबस्टर निर्देशक कोल निर्देशित करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म 'ब्लूफ्लाई' इस फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में की जाएगी। 'डेडलाइन' के मुताबिक इस फिल्म से निया कुमार, ताइका वैटिटी, स्कारलेट जोहानसन, अजय कहानाबाद जोएल, जोनाथन किंगस्टोन, डेनी लोरी, स्टीव लेविंसन और जेम्स मैकवी एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़े हैं।

फिल्मों में मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर किया काम

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड फिल्मों की आर्टिस्ट आया गिलीज का 26 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह कार हादसे का शिकार हो गईं। उनके निधन पर परिवार ने भावुक बयान जारी किया है। आया गिलीज ने पांच साल से ज्यादा समय तक मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर काम किया। उनके मेकअप क्रेडिट्स में बार्बी, वंडर वुमन 1984 और स्नो व्हाइट जैसी हिट फिल्में और सिनर्जी, द ज्वाय और स्टार वॉर्स एसोलाइट जैसे टीवी शो शामिल हैं। परिवार के हवाले से पीपल ने लिखा 'आया, हम हमेशा तुम्हें याद करेंगे। तुम्हारी हाजिरजवाबी, तुम्हारा आकर्षण, तुम्हारी सुंदरता, तुम्हारा जबरदस्त आत्मविश्वास, तुम्हारे कई हुनर और फिल्म व टीवी के लिए मेकअप के क्षेत्र में तुम्हारी महारत। हमारे साथ बिताए लगभग 27 वर्षों में तुमने बहुत कुछ किया। इसमें पढ़ाई, यात्रा और काम शामिल हैं। तुम्हें बड़ा करना और तुमसे प्यार करना हमारे लिए सौभाग्य की बात थी।

द पैराडाइज का धमाकेदार टीजर रिलीज...

नई दिल्ली। ''द पैराडाइज' इस वक्त पैन इंडियन सिनेमा की सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में से एक है। फिल्म में नेचुरल स्टार नानी लीड रोल में हैं और इसका निर्देशन चर्चित फिल्ममेकर श्रीकांत ओडेला ने किया है। 'दसरा' की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद दोनों एक बार फिर साथ आए हैं, जिससे यह फिल्म भारतीय सिनेमा की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में शामिल हो गई है। कई महीनों के इंतजार के बाद मेकर्स ने आखिरकार 'द पैराडाइज' का धमाकेदार टीजर रिलीज कर दिया है। टीजर शुरुआत से लेकर आखिर तक दमदार एक्शन और ड्रामे से भरपूर है। श्रीकांत ओडेला ने स्लम के बैकग्राउंड पर एक भव्य और रॉ दुनिया की झलक दिखाई है। टीजर में नेचुरल स्टार नानी बेहद दमदार और खौफनाक अंदाज में नजर आ रहे हैं,

अदिति ने बांधे रणबीर की तारीफों के पुल...

मुंबई। रणबीर कपूर इन दिनों नितेश तिवारी निर्देशित फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की चर्चा के बीच अदिति राव हैदरी ने रणबीर कपूर को जमकर सराहा है। उनके साथ अभिनय करने का पुराना अनुभव भी साझा किया है। अदिति राव हैदरी ने रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'रॉकस्टार' में अभिनय किया था, वह इस फिल्म में सहायक भूमिका में थीं। उनके और रणबीर कपूर के बीच भी रोमांटिक सीन्स फिल्म में थे। रॉकस्टार में अदिति ने शीना का रोल किया था। हाल ही में फिल्म रामायण की चर्चा के बीच वह रणबीर कपूर की एक्टिंग स्किल्स के बारे में काफी कुछ बोलीं। अदिति राव हैदरी कहती हैं, 'रणबीर के साथ काम करना जबरदस्त था। वह कमाल के हैं, सच में कमाल के हैं। वह मेरे पसंदीदा एक्टर्स में से एक हैं।

टीवी मसाला

द ट्रेटर्स सीजन 2 में सेलिब्रिटीज को इशारों पर नचाएंगे करण

नई दिल्ली। रियलिटी शो का रोमांच पसंद करने वाले दर्शकों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने अपने चर्चित अनस्क्रिप्टेड शो 'द ट्रेटर्स' के दूसरे सीजन का धमाकेदार ट्रेलर जारी कर दिया है। जैसलमेर के ऐतिहासिक और भव्य सूर्यगढ़ पैलेस में शूट किया गया यह शो एक बार फिर धोखे, धोखे और रणनीति का नया स्तर पेश करने के लिए तैयार है। इस बार भी बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक करण जौहर शो के 'मास्टरमाइंड' के रूप में वापसी कर रहे हैं, जो खिलाड़ियों को अपने इशारों पर नचाते नजर आएंगे। शो का नया सीजन न केवल भव्यता में आगे है, बल्कि इसकी थीम भी पहले से काफी रहस्यमयी और सस्पेंस से भरी रखी गई है। इस बार करण जौहर के साथ 'बू' नाम का एक रहस्यमयी नया कैरेक्टर भी दिखाई देगा, जो खिलाड़ियों के लिए बुरी खबरें लेकर आएगा। ट्रेलर की शुरुआत में ही करण जौहर यह कहते सुने जा सकते हैं कि यह खूबसूरत महल एक आईने जैसा लगता है और वह इस सपने को टूटे सपने में बदलने का इंतजार कर रहे हैं। इस बार खिलाड़ियों को गुप्त गठजोड़, 'जर्नल ऑफ शक' और टावर में होने वाले एलिमिनेशन जैसी मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इस सीजन में खेल को दिलचस्प बनाने के लिए मनोरंजन, कॉमेडी, एक्टिंग और सोशल मीडिया जगत की 21 मशहूर हस्तियों को एक छत के नीचे लाया गया है।

सेट पर देरी के लिए अमिताभ ने मांगी माफी

नई दिल्ली। 10 अगस्त से टीवी के पॉपुलर शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का 18वां सीजन शुरू होगा। हाल ही में शो के होस्ट अमिताभ बच्चन ने इसका पहला एपिसोड शूट किया। इस दौरान अमिताभ ने दर्शकों के साथ खूब हंसी-मजाक किया। उन्होंने अपनी बढ़ती उम्र के बारे में भी काफी कुछ कहा। इससे पहले तो अमिताभ ने शो की शूटिंग देरी से शुरू होने पर दर्शकों से माफी मांगी। उन्होंने कहा, 'हम सबसे पहले हाथ जोड़कर माफी मांगते हैं। देर होगी, क्योंकि आज का इस नए सीजन की पहली रिकॉर्डिंग है। छोटी-मोटी तकनीकी चीजें सेट करने में समय लगता है। आगे बिग बी ने अपनी वृद्धावस्था पर मजाक बनाने वालों को भी मजाकिया अंदाज में जवाब भी दिया। वह बोले, 'फिर कोई बोलेगा सर जो आपका चश्मा है वो गलत है। हमने कहा क्या गलत है यार' मैं पिछले 25 साल से यही तो पहन रहा हूं। बोले नहीं सर, हमें पीला-पीला दिखता है। हमने कहा कि उसे थोड़ा सा रंग दिया है। तो बोले- नहीं सर तो गड़बड़ हो जाएगा।

बंटवारा 1947 का नया गाना तबस्सुम आउट...

मुंबई। राजकुमार संतोषी की फिल्म 'बंटवारा 1947' का रोमांटिक गाना 'तबस्सुम' रिलीज हो गया है। एआर रहमान के संगीत और सोनू निगम की आवाज से सजा यह गाना प्रेम, उम्मीद और मासूम संवेदनाओं को दर्शाता है। सिनेमा प्रेमी लंबे समय से निर्देशक राजकुमार संतोषी की आगामी ऐतिहासिक फिल्म 'बंटवारा 1947' का इंतजार कर रहे हैं। इस उत्सुकता के बीच 7 अगस्त को फिल्म का नया भावुक और रोमांटिक ट्रैक 'तबस्सुम' आधिकारिक रूप से श्रोताओं के सामने आ गया है। 1 मिनट 34 सेकेंड का यह वीडियो दर्शकों को उस दौर की एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहां चारों तरफ फैले तनाव के बीच भी इंसानी रिश्ते, मासूमियत और मोहब्बत अपनी जगह बना लेते हैं। इस गाने में अभिनेता अली फाजल, करण देओल, कामिया और ईशा की बेहद स्वाभाविक और भावनात्मक अदाकारी देखने को मिलती है। आमिर खान प्रोडक्शन के बैनर तले पेश किया गया यह गाना केवल एक रोमांटिक नंबर नहीं है, बल्कि यह कहानी के उन मुख्य किरदारों को सामने लाता है जो इस पूरी फिल्म की भावनात्मक नींव हैं।

दिग्गज संगीतकारों की त्रिवेणी

संगीत के दृष्टिकोण से यह ट्रैक बेहद खास है। इसे ऑस्कर विजेता संगीतकार एआर रहमान ने स्वरबद्ध और अरेंज किया है, जबकि इसके बोल प्रख्यात गीतकार जावेद अख्तर की कलम से निकले हैं। सोनू निगम और हीर की सुरीली आवाज ने इस रचना में एक अजीब सी रूहानियत भर दी है। गाने को जारी करते हुए जी म्यूजिक कंपनी और मेकर्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह एक ऐसा गान है जिसमें जिंदगी के खूबसूरत रंग और एक न भूलने वाला अहसास छुपा हुआ है।

कांवड़ यात्रियों का फेवरेट है अमित का ये गाना, 35 सालों से मचा रहा धूम

नई दिल्ली। मौजूदा समय से कांवड़ यात्रा को लेकर काफी चर्चा हो रही है। तमाम शिव भक्त हर साल सावन के महीने का इंतजार करते हैं और कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं। इस दौरान सभी कांवड़िया ट्रक, गाड़ी और पैदल जाकर गंगा जी से जल लेकर महादेव का जलाभिषेक करते हैं। इस दौरान वे डीजे का भी इस्तेमाल करते हैं और रास्ते में उस पर शिव भजन बजाकर धूमधाम से कांवड़ यात्रा निकालते हैं। इस मामले में पिछले 35 सालों से किशोर कुमार के बेटे का एक गीत कांवड़ियों का फेवरेट बना हुआ है, जो इस यात्रा का मजा दोगुना कर देता है। बगैर शोर और भजन के कांवड़ यात्रा का अक्सर सूना-सूना लगता है। कई शिव भक्त ट्रकों में बड़े-बड़े डीजे सेट-अप लगाकर कांवड़ यात्रा पर जाते हैं। इस दौरान जो गाना डीजे पर बजता है, वह हर किसी का फेवरेट माना जाता है। उस गीत के बोल हैं- पीकर शंकर जी की बूटी...।

पीकर शंकर जी की बूटी

जी हां साल 1991 में रिलीज होने वाली शत्रुघ्न सिन्हा, जितेंद्र, डिंपल कपाड़िया और ऋषि कपूर स्टारर फिल्म रणभूमि से नाता रखने वाला ये गीत शिव भक्तों का पसंदीदा माना जाता है। अभिनेता ऋषि कपूर पर फिल्माया गया ये गाना कांवड़ यात्रा में डीजे पर खूब बजता है और तमाम कांवड़िया इस पर डांस करते हुए नजर आते हैं। पीकर शंकर जी की बूटी... गाने को हिंदी सिनेमा के महान गायक रहे किशोर कुमार के बेटे और पॉपुलर सिंगर अमित कुमार ने गाया है। अमित की आवाज सुनकर आपको भी ये हैरानी होगी कि जैसे ये गीत शायद उनके पिता किशोर ही गा रहे हैं। इसके अलावा फीमेल वर्जन में गाने को गायिका कविता कृष्णमूर्ति ने गाया है।

मुस्लिम गीतकार ने लिखे लिरिक्स

आपको ये जानकर हैरानी होगी कि भगवान शंकर के समर्पित पीकर शंकर जी की बूटी... गाने के एक लिरिक्स एक मुस्लिम गीतकार ने लिखे थे और वह कोई और नहीं, बल्कि मशहूर शायर और कवि असद भोपाली थे, जिनका पूरा नाम असदुल्लाह खान था। उन्होंने 100 से अधिक फिल्मों के करीब 400 से अधिक गीतों के बोल लिखे थे।

उषा ने सुनाई दर्द भरी आप बीती, मुश्किलों से भरी रही निजी जिंदगी

असली मां नहीं मानता बेटा, 80 की उम्र में रहती हैं अकेली

चुनौती भरी रही जिंदगी

हिंसक माहौल में बड़े होने से लेकर अपने बेटे से दूर रहकर एक्टिंग कैरियर को संभालने तक, उषा ने उन चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की है, जिन्होंने उनकी जिंदगी को आकार दिया। 80 साल की उम्र में भी, वह मुंबई में अकेले रहती हैं और काम करती रहती हैं।

अकेले रहती हैं

एक बातचीत में उषा ने बताया कि वह 1987 से अकेले रह रही हैं। उनका बेटा अब विदेश में रहता है। उनके सभी भाई-बहनों के गुजर जाने के बाद, उन्होंने अकेलेपन को अपनाना सीख लिया है।

अब डर नहीं लगता

उन्होंने कहा, 'मुझे इसकी आदत हो गई है। मैं 1987 से अकेले रह रही हूं। मुझे बिल्कुल भी डर नहीं लगता। जब मैं पहली बार अपनी बिल्डिंग में रहने आई थी, तब मुझे डर लगता था। मैं गार्ड से कहती थी कि वह मुझे मेरे दरवाजे तक छोड़े, क्योंकि मुझे डर लगता था कि कोई पीछे से मुझ पर हमला कर देगा। मगर अब मुझे डर नहीं लगता।'

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेत्री उषा नाडकर्णी ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में लगभग सात दशक बिताए हैं। उन्होंने हिंदी, मराठी सिनेमा और टेलीविजन में दमदार अभिनय के लिए बहुत प्यार पाया है। वह सबसे ज्यादा 'पवित्र रिश्ता' में अपने किरदार के लिए मशहूर हैं। दर्शक उन्हें स्क्रीन पर एक दमदार अभिनेत्री के तौर पर जानते हैं, मगर उनकी निजी जिंदगी मुश्किलों और हिम्मत से भरी रही है।

नानी के यहां पला बेटा

उषा ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में भी खुलकर बात की और बताया कि वह कई साल पहले अपने पति से अलग हो गई थीं। अलग होने के बावजूद, उन्होंने कहा कि उनके मन में अपने पति या उनके परिवार के लिए कोई कड़वाहट नहीं है। इस कपल का एक बेटा है, जो अब विदेश में रहता है। हालांकि, बचपन में वह उषा की मां के साथ रहता था, जिन्होंने उसकी देखभाल की, जबकि एक्ट्रेस काम में व्यस्त रहती थीं।

बेटा नानी को मानता है मां

अपनी जिंदगी के उस दौर को याद करते हुए, उन्होंने एक दिल तोड़ने वाली बात भी बताई जो उनका बेटा अक्सर कहता है। उन्होंने कहा 'मेरा बेटा आज भी मुझसे कहता है कि मैंने उसे सिर्फ जन्म दिया है। उसकी असली मां तो मेरी मां ही थीं।'

मौत से नहीं डरतीं : दिग्गज एक्ट्रेस ने यह भी माना कि वह कभी-कभी मौत के बारे में सोचती हैं, खासकर इसलिए क्योंकि वह अकेले रहती हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें इससे कभी डर नहीं लगा। उन्होंने कहा, 'लोग यह नहीं बता सकते कि उनकी मौत कैसे होगी। कुछ लोग सोते हुए गुजर जाते हैं, कुछ लोग अस्पताल में मरते हैं। मुझे जरा भी डर नहीं लगता। अगर मैं सोते हुए मर जाती हूं, तो मेरे पड़ोसी दरवाजा खटखटाएंगे और सोचेंगे, 'बुढ़िया ने दरवाजा नहीं खोला है'।

हिंसक हो जाते थे पिता

स्क्रीन पर सफलता पाने से बहुत पहले, उषा का बचपन बहुत मुश्किलों भरा था। उन्होंने बताया कि उनके पिता, जो एयर फोर्स में अफसर थे, बहुत हिंसक स्वभाव के थे और उनके गुस्से की वजह से परिवार हमेशा डर के साये में रहता था। एक्ट्रेस ने बताया कि छोटी-छोटी बातों पर भी उन्हें गुस्सा आ जाता था। अगर अचार ठीक से सूखा न हो या स्कूल की किताबें ठीक से न रखी हों, तो वे अक्सर हिंसक हो जाते थे।

पिता ने किया हमला

उन्हें एक घटना भी याद है जब उन्होंने अपने पिता को अपने भाई को पीटने से रोकने की कोशिश की थी। उन्होंने याद करते हुए कहा, 'एक बार, किसी वजह से मेरे भाई की पिटाई हो रही थी और मैंने अपने पिता को रोकने की कोशिश की। तब उन्होंने मुझ पर हमला किया। इससे मेरे हाथ में चोट लग गई। अगले ही दिन मेरा नाटक था। मैं चोट के साथ ही नाटक करने गई थी।'

मां ने नहीं दिया साथ : उषा को बचपन से ही एक्टिंग का शौक था, लेकिन उस सपने को पूरा करना आसान नहीं था। पिता के गुस्सैल स्वभाव से डरते हुए, उन्होंने सबसे पहले अपनी मां को इस बारे में बताया, उम्मीद थी कि वे साथ देंगी। मगर इसके उलट, उनकी मां ने इस विचार का कड़ा विरोध किया और उन्हें घर से भी निकाल दिया।

विकास खण्डों में 10 से 20 अगस्त तक लगेंगे दिव्यांगजन चिन्हांकन शिविर

-पात्र दिव्यांगजन कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण, मोटराइज्ड/ई-ट्राईसाइकिल के लिए कराएं पंजीकरण

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। मुख्य विकास अधिकारी रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड ने अवगत कराया है कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ पात्र दिव्यांगजनों तक पहुंचाने तथा उन्हें निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न विकासखण्डों में एक दिवसीय वृहद दिव्यांगजन चिन्हांकन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। शिविर प्रातः 11 बजे से अपराह्न 04 बजे तक आयोजित होंगे।

शिविरों का आयोजन 10 अगस्त को बामौर, 11 अगस्त को बबीना, 12 अगस्त को बंगरा, 13 अगस्त को मऊरानीपुर, 14 अगस्त को बड़ागांव, 17 अगस्त को मोंठ, 18 अगस्त को बड़ागांव, 19 अगस्त को सदर तहसील झाँसी तथा 20 अगस्त को गुरसराय में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविरों में कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना के अन्तर्गत पात्र दिव्यांगजनों को ट्राईसाईकिल, मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल एवं ई-ट्राईसाईकिल, व्हीलचेयर, वैशाखी, छड़ी, नेत्रहीन छड़ी, कान की मशीन, लेप्रोसी किट, ब्रेल किट, एम.आर. किट, स्मार्टफोन, दृष्टिबाधित विद्यार्थियों हेतु टैबलेट आदि उपकरणों से लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल एवं ई-ट्राईसाईकिल योजना के अन्तर्गत 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले ऐसे दिव्यांगजन, जिनके कमर के ऊपर का हिस्सा पूर्णतः स्वस्थ है, का पंजीकरण किया जाएगा। वहीं ई-ट्राईसाईकिल हेतु 16 वर्ष से अधिक आयु की शैक्षिक संस्थानों में अध्ययनरत दिव्यांग छात्राओं का भी पंजीकरण किया जाएगा। दिव्यांग/कुष्ठावस्था पेंशन योजना में वंचित दिव्यांगजनों एवं कुष्ठ रोगियों का चिन्हीकरण कर उन्हें पेंशन से लाभान्वित किया जाएगा। दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत ऐसे दिव्यांग पति-पत्नी/दम्पत्तियों, जिनका विवाह 01 अप्रैल 2025 के बाद सम्पन्न हुआ है, का चिन्हांकन किया जाएगा। पात्रतानुसार पति, पत्नी अथवा दम्पत्ति को क्रमशः 15 हजार, 20 हजार एवं 35 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। दुकान निर्माण/संचालन योजना के अन्तर्गत दुकान संचालन हेतु 10 हजार रुपये का ऋण उपलब्ध कराने के लिए पात्र दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण किया जाएगा। यूडीआईडी कार्ड (विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र) के संबंध में दिव्यांगजनों को कार्ड से मिलने वाले लाभों तथा कार्ड बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी। शल्य चिकित्सा योजना के अन्तर्गत 05 वर्ष तक के मूकबधिर दिव्यांग बच्चों का चिन्हांकन कर निःशुल्क कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी के लिए पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण एवं चिन्हांकन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए तथा अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। उन्होंने अपील की कि शिविरों में पंजीकरण कराने के इच्छुक दिव्यांग लाभार्थी अपने साथ 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार का नवीन फोटो तथा आवश्यकतानुसार शैक्षिक/संस्थान संबंधी प्रमाण-पत्र अवश्य लेकर उपस्थित होंगे।

जेन जी' देश का भविष्य , संस्कार युक्त शिक्षा के साथ देश निर्माण मै बने भागीदार

- नशे के खिलाफ युवाओं को किया सतर्क - सुधीर सिंह

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। देश की नई पीढ़ी 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' के उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को लेकर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं को नशे से दूर रहने और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया। निजी लाइब्रेरी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जिलाध्यक्ष भाजपा सुधीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देश की युवा पीढ़ी को लेकर अत्यंत संवेदनशील और चिंतित हैं। हमारी नई पीढ़ी लगातार पढ़ाई कर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के नए आयाम गढ़ रही है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि युवाओं के प्रयासों से ही देश सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जीवन एक लंबा सफर है, जिसमें लगातार प्रयास करने पर मंजिल अवश्य मिलती है, बस दिशा सकारात्मक होनी चाहिए। युवाओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में कभी हार नहीं माननी चाहिए।

महिला सुरक्षा पर दिया जोर

सुरक्षा के विषय पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की आपातकालीन सेवाओं और विमेन हेल्पलाइन के माध्यम से आज बेटियां पूरी तरह सुरक्षित हैं और आधी रात को भी निडर होकर आवाजाही के लिए स्वतंत्र हैं। सुधीर सिंह ने एक चेतावनी देते हुए कहा कि कुछ असामाजिक तत्व चाय और कॉफी जैसी रोजमर्रा की चीज़ों के माध्यम से बच्चों को नशे का आदी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। विदेशी ताकतें देश के बच्चों के भविष्य में नशा घोलकर उनके साथ खिलवाड़ करने का प्रयास कर रही हैं ताकि युवाओं को भटकाकर देश को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपना ध्यान शिक्षा, परिवार और राष्ट्र निर्माण पर लगाएं तथा एकाग्रता बनाए रखें।

शेर के साथ किया समापन, तालियों से गूंज उठा हॉल,अपने संबोधन के अंत में उन्होंने पंक्तियां पढ़ीं

' न चिड़िया की कमाई है , न कोई कारोबार है ,मगर वो हौसले से दाना-पानी खोज लेती है,

उठती है जो खतरा हर कदम पर डूब जाने का,वो कश्ती समुद्र में भी किनारा खोज लेती है।'

इन पंक्तियों ने हॉल में मौजूद सैकड़ों विद्यार्थियों में नए जोश का संचार कर दिया और पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

विशिष्ट अतिथियों ने किया समर्थन

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्रीमती अंजू गुप्ता और मुख्य वक्ता हर्ष जैन ने भी जिलाध्यक्ष के वक्तव्य का पूर्ण समर्थन करते हुए युवाओं से नशामुक्ति का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर रवि नौगरैया, दीपमाला नौगरैया, सिविल लाइंस मंडल अध्यक्ष भाजपा अनुज नीखरा सहित विभिन्न स्कूल व कॉलेजों के सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव प्रमोद कुमार से खास बातचीत

'भारतीय बॉक्सिंग अब सिर्फ पदक जीतने नहीं, दुनिया पर दबदबा बनाने की राह पर है '

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। भारतीय मुक्केबाजी ने हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। कॉमनवेल्थ से लेकर विश्व चैंपियनशिप तक, भारतीय बॉक्सर्स ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है। इसी पृष्ठभूमि में बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव प्रमोद कुमार से खेल विश्लेषक बृजेंद्र यादव की यह खास बातचीत भारतीय बॉक्सिंग के वर्तमान और भविष्य की दिशा को समझने का प्रयास है।

खेल विश्लेषक बृजेंद्र यादव : कॉमनवेल्थ खेलों में भारतीय मुक्केबाजों के प्रदर्शन को आप किस नजरिए से देखते हैं? क्या यह भारतीय बॉक्सिंग के नए दौर की शुरुआत है? प्रमोद कुमार : निश्चित रूप से। भारतीय मुक्केबाजी ने यह साबित किया है कि हमारे पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। कॉमनवेल्थ में खिलाड़ियों का प्रदर्शन मेहनत, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और सही दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। अब हमारा लक्ष्य केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक में लगातार शीर्ष पर रहना है।

बृजेंद्र यादव : लेकिन सवाल यह है कि कॉमनवेल्थ के पदकों को हम ओलंपिक सफलता में कैसे बदलेंगे?

प्रमोद कुमार : यही सबसे बड़ी चुनौती है। कॉमनवेल्थ और ओलंपिक की प्रतिस्पर्धा में काफी अंतर है। इसलिए हम खिलाड़ियों को सिर्फ प्रतियोगिता के लिए तैयार नहीं कर रहे, बल्कि चार साल की दीर्घकालिक योजना पर काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर, उच्च स्तरीय स्पैरिंग, फिटनेस, खेल विज्ञान और मानसिक मजबूती—इन सभी पहलुओं को एक साथ लेकर चलना होगा।

बृजेंद्र यादव : भारतीय बॉक्सिंग में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, फिर भी कई बार बड़े मंच पर दबाव में प्रदर्शन प्रभावित होता है। क्या मानसिक तैयारी पर पर्याप्त काम हो रहा है?

प्रमोद कुमार : बिल्कुल। आधुनिक बॉक्सिंग में केवल ताकत और तकनीक से मुकाबला नहीं जीता जा सकता। मानसिक मजबूती उतनी ही महत्वपूर्ण है। हम खिलाड़ियों के साथ स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट और विशेषज्ञों की मदद ले रहे हैं। खिलाड़ी को यह विश्वास होना चाहिए कि वह दुनिया के किसी भी मुक्केबाज को हरा सकता है।

बृजेंद्र यादव : चयन प्रक्रिया को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। क्या फेडरेशन चयन में पारदर्शिता को लेकर कोई नई व्यवस्था कर रहा है?

प्रमोद कुमार : हमारी कोशिश हमेशा यही रहती है कि चयन योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर हो। खिलाड़ी को यह भरोसा होना चाहिए कि रिंग में उसका प्रदर्शन ही उसकी सबसे बड़ी पहचान है। चयन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी तथा प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं।

बृजेंद्र यादव : घरेलू स्तर पर कई प्रतिभाएं संसाधनों के अभाव में पीछे रह जाती हैं। उन खिलाड़ियों तक फेडरेशन कैसे पहुंचेगा?

प्रमोद कुमार : यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमारी प्राथमिकता महानगरों के अलावा छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभाओं को तलाशना है। भारत के छोटे-छोटे कस्बों में ऐसे मुक्केबाज हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने की क्षमता है। हमें उन्हें सही मंच, प्रशिक्षण और प्रतियोगिता देनी होगी।

बृजेंद्र यादव : क्या आपको लगता है कि राज्यों की बॉक्सिंग व्यवस्था को और मजबूत किए बिना भारत विश्व की नंबर एक बॉक्सिंग ताकत बन सकता है?

प्रमोद कुमार : नहीं। राष्ट्रीय टीम की सफलता की नींव राज्यों में तैयार होती है। इसलिए राज्य संघों, अकादमियों और प्रशिक्षकों को मजबूत करना बेहद जरूरी है। हमें जमीनी स्तर पर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जहां प्रतिभा की पहचान कम उम्र में हो और उसका व्यवस्थित विकास किया जाए।

बृजेंद्र यादव : कोचिंग को लेकर भी कई बार चर्चा होती है। क्या भारतीय कोच अंतरराष्ट्रीय स्तर की आधुनिक बॉक्सिंग के साथ कदमताल कर पा रहे हैं?

प्रमोद कुमार : भारतीय कोचों में प्रतिभा और अनुभव दोनों हैं। लेकिन खेल लगातार बदल रहा है। इसलिए कोचों का भी अपग्रेडेशन जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक और खेल विज्ञान की जानकारी को भारतीय कोचिंग सिस्टम में शामिल करना हमारी प्राथमिकता है।

बृजेंद्र यादव : क्या फेडरेशन खिलाड़ियों पर पदक का दबाव कम करने की दिशा में भी काम कर रहा है?

प्रमोद कुमार : खिलाड़ी को पदक जीतने की भूख होनी चाहिए, लेकिन अनावश्यक दबाव नहीं। हमारा काम उसे ऐसी परिस्थितियां देना है जिसमें वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सके। हम चाहते हैं कि खिलाड़ी परिणाम से ज्यादा अपनी प्रक्रिया और प्रदर्शन पर ध्यान दे।

बृजेंद्र यादव : भारतीय महिला बॉक्सिंग ने दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। क्या आपको लगता है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं का प्रदर्शन अब ज्यादा प्रभावशाली हो रहा है?

प्रमोद कुमार : भारतीय महिला बॉक्सिंग ने वास्तव में शानदार प्रगति की है। लेकिन मैं पुरुष और महिला बॉक्सिंग की तुलना नहीं करूंगा। दोनों वर्गों में हमारे पास बेहतरीन प्रतिभाएं हैं। हमारा लक्ष्य दोनों वर्गों को समान अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

बृजेंद्र यादव : भारतीय बॉक्सिंग का अगला बड़ा लक्ष्य क्या है?

प्रमोद कुमार : हमारा लक्ष्य बहुत स्पष्ट है—विश्व स्तर पर लगातार पदक जीतना और ओलंपिक में भारत को बॉक्सिंग की शीर्ष शक्तियों में शामिल करना। इसके लिए हमें आज से ही अगली पीढ़ी तैयार करनी होगी।

बृजेंद्र यादव : अंत में भारतीय मुक्केबाजों और उनके प्रशंसकों के लिए आपका संदेश?

प्रमोद कुमार : मैं देश के सभी मुक्केबाजों से यही कहना चाहता हूं कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं है। रिंग में उतरते समय अपने देश पर गर्व महसूस करें और हर मुकाबले को अपना सर्वश्रेष्ठ देने का अवसर मानें। भारतीय बॉक्सिंग का भविष्य बहुत उज्ज्वल है और हम सब मिलकर इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ की झांसी मंडल की एक्सक्यूटिव और मंडल कमेटी की बैठक आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ की झांसी मंडल की एक्सक्यूटिव और मंडल कमेटी की बैठक हुई जिसमें पूर्व मंडल मंत्री और मंडल संगठन मंत्री ने इस्तीफ़ा दिया, संघ का कार्य सुचारु रूप से चल सके इसके लिए अध्यक्ष की अनुमति और सभी के प्रस्ताव के साथ आम सहमति से मंडल मंत्री के तौर पर श्री हरि मोहन शर्मा एवं मंडल संगठन मंत्री श्री सुनील कुमार रायकवार का नाम को-ऑप्ट कर जारी किया गया एवं झांसी मंडल प्रभारी के तौर पर श्री राजेश कुमार ठकुरानी जिला संगठन मंत्री भारतीय मजदूर संघ एवं डी आर यू सी सी मेंबर को जिम्मेदारी दी गई। झांसी मंडल के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। इस मौके पर अवधेश सक्सेना, के एन गुप्ता, राजेश ठकुरानी, अनिल कुमार शुक्ला, मनीष बाजपेयी, मुन्ना यादव, संजय तिवारी आदि लोग मजूद रहे।

नगर निगम द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण के बिरोध में हरिहर धाम जन कल्याण समिति ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। हरिहर धाम जन कल्याण समिति के द्वारा जिलाधिकारी झांसी को ज्ञापन देकर समिति के सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया की ग्वालियर रोड से आईटीआई जाने वाले मार्ग पर कन्वेंशन सेंटर गेट नंबर 4 के सामने से 18 मीटर चौड़ा एक मात्र आम रास्ता केंद्रीय केंद्रीय उत्पाद सीमा शुल्क विभाग प्रस्तावित के लिए आवासीय कॉलोनी सरस्वती संस्कार केंद्र प्रसिद्ध एवं प्राचीन हरिहर धाम मंदिर हरिहर धाम नगर को जाता है उक्त मार्ग पर ही नगर निगम के आवास बने हुए हैं जिनकी बाउंड्री वॉल भी बनी है और गेट भी लगे हैं नगर निगम अपनी पुरानी बाउंड्रीवॉल के आगे एक और बाउंड्रीवॉल का निर्माण कर उक्त आम रास्ते पर अतिक्रमण करना चाहता है क्योंकि हरिहर धाम मंदिर जाने वाले भक्तगणों मोहल्ला वासियो एवं सरस्वती संस्कार केंद्र जाने वाले बच्चों के आने जाने के लिए यही एकमात्र आम रास्ता है मंदिर पर भी बड़े बड़े धार्मिक आयोजन एवं भंडारे होते रहते हैं ऐसे में उक्त आम रास्ता के सकरे होने से आवागमन में भारी असुविधा होगी ।अतः आपसे निवेदन है कि जनहित में नगर निगम को उक्त आम रास्ते पर किसी प्रकार का निर्माण अथवा अतिक्रमण करने से रोका जाए ।

इस अवसर पर श्याम साहू, चन्द्र भान गुप्ता, महेंद्र साहू, मो जाविर, कैलाश चन्द्र, संदीप नगरिया, राम साहू, नरेंद्र साहू, नरेंद्र नीखरा, ओमप्रकाश, राम देवी, महेंद्र साहू, महेश प्रजापति, शान्ति देवी साहू, देवी प्रजापति, श्याम लाल, देवेंद्र मिश्रा, आदि उपस्थित रहे।

'जब दिनभर सोने से फुर्सत न हो तो विकास कैसे होगा?' सीएम योगी के इस बयान ने हिला दी सियासत

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के खास मौके पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहां एक तरफ स्वदेशी, हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अपनी सरकार की तमाम बड़ी उपलब्धियां गिनाईं, वहीं दूसरी तरफ विपक्षी दल समाजवादी पार्टी पर बेहद तीखा हमला भी बोला।

सीएम योगी ने इशारों-इशारों में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारों में राज्य का विकास नहीं होता था, बल्कि केवल वोटबैंक और परिवारवाद की राजनीति ही हावी रहती थी। मुख्यमंत्री ने व्यंग्य करते हुए कहा कि पहले के समय में 'बबुआ' काफी देर से सोकर उठते थे और शाम होते-होते महफिलें सज जाती थीं, ऐसे में भला उन्हें प्रदेश के विकास की चिंता कैसे हो सकती थी। उन्होंने याद दिलाया कि 7 अगस्त का दिन केवल राष्ट्रीय हथकरघा दिवस ही नहीं है, बल्कि यह भारत के स्वाधीनता आंदोलन का भी एक ऐतिहासिक दिन है। साल 1905 में इसी तारीख को स्वदेशी आंदोलन ने देश की आजादी की लड़ाई को एक नई दिशा दी थी, जिसने उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक पूरे भारत को एक सूत्र में पिरोकर स्वतंत्रता के संकल्प को और अधिक मजबूत कर दिया था। संबोधन को आगे बढ़ाते हुए सीएम योगी ने कहा कि हथकरघा उत्तर प्रदेश की बेहद समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है। आज प्रदेश में लगभग ढाई लाख परिवार सीधे तौर पर हथकरघा उद्योग से जुड़े हुए हैं और यदि इसमें पावरलूम सेक्टर को भी मिला लिया जाए, तो करीब 30 लाख लोगों की रोजी-रोटी इसी क्षेत्र पर निर्भर करती है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने देश के इन मेहनतकश हस्तशिल्पियों और बुनकरों के सम्मान और उनके आर्थिक प्रोत्साहन के लिए कई शानदार योजनाएं शुरू की हैं। पिछले ही साल सरकार ने लगभग 40 हजार हस्तशिल्पियों को 109 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि बिजली सुविधा के रूप में उपलब्ध कराई है। मुख्यमंत्री ने पुरानी स्थिति को याद करते हुए कहा कि साल 2017 से पहले भदोही का मशहूर कालीन उद्योग लगभग दम तोड़ चुका था और पूरी तरह से मृतप्राय हो चुका था, लेकिन आज उसी भदोही के कालीन वैश्विक बाजार में धूम मचा रहे हैं और करोड़ों रुपये का निर्यात कर रहे हैं। देश की नई संसद के निर्माण के दौरान भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भदोही के इसी कालीन को विशेष प्राथमिकता देने की बात कही थी। सरकार का मुख्य प्रयास यही है कि देश का पैसा देश के ही हुनरमंद कारीगरों पर खर्च हो, जिससे उनके जीवन में खुशहाली और समृद्धि आ सके।सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने बिना किसी का नाम लिए सीधे तौर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर करारा कटाक्ष किया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि कुछ लोगों के साथ कुछ खास शब्द उनके जीवन भर जुड़े रह जाते हैं और कुछ लोग उम्र बढ़ने के बावजूद जीवन भर 'बबुआ' ही बने रहते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए आगे कहा, 'वे लोग दोपहर के 12 बजे सोकर उठते थे, दिन के 2 बजे तक तैयार होते थे, शाम को 5 बजे जिम जाते थे और रात 7 बजते ही उनकी महफिल सज जाती थी। जिन्हें अपनी दिनचर्या से ही फुर्सत न हो, उनके पास प्रदेश की जनता के बारे में सोचने का समय आखिर कहां से होगा?

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718